मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 54
मंगलवार, 01 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

कौशाम्बी पटाखा फैक्ट्री में धमाका : 11 की मौत, बचाव कार्य जारी; एटीएस करेगी धमाके की जाँच

कौशाम्बी, 31 अगस्त। सोमवार को उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी ज़िले में एक पटाखा फैक्ट्री में जबरदस्त धमाका हुआ, जिससे बड़ा हादसा हो गया। इस घटना में कम से कम ग्यारह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। खबरों के मुताबिक, धमाका इतना जबरदस्त था कि पूरी फैक्ट्री मलबे में तब्दील हो गई। कौशाम्बी के ज़िला मजिस्ट्रेट अमित कुमार पाल ने ग्यारह लोगों की मौत की पुष्टि की है। कई अन्य लोगों के घायल होने की भी खबर है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। बचाव दल अभी भी मलबे से शव निकाल रहे हैं, जबकि कई लोगों के मलबे में दबे होने या लापता होने की आशंका है।

कुमार के अनुसार, घटनास्थल पर लगभग 8 से 10 JCB मशीनें तैनात की गई हैं और बचाव अभियान पिछले चार घंटों से लगातार चल रहा है। IG और DIG जैसे वरिष्ठ अधिकारियों समेत पुलिस का एक बड़ा दल मौके पर मौजूद है। इस बीच, कई लोगों के अभी भी लापता होने की खबर है और उनके परिवार वाले बेचैनी से अपने प्रियजनों के बारे में जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। एंटी-टेररिज्म स्क्वाड (ATS) की टीमें भी घटनास्थल पर पहुँच गई हैं और धमाके से जुड़ी परिस्थितियों की जाँच कर रही हैं। प्रशासन ने कहा है कि मरने वालों और घायलों की अंतिम संख्या की पुष्टि बचाव अभियान पूरा होने के बाद ही की जाएगी। धमाका इतना जबरदस्त था कि पटाखे बनाने वाली फैक्ट्री पूरी

तरह ढह गई। इसका असर आस-पास के इलाके में भी महसूस किया गया; खबरों के मुताबिक, फैक्ट्री के आस-पास लगभग 50 मीटर के दायरे में मौजूद पाँच से सात घर क्षतिग्रस्त हो गए। बताया जा रहा है कि धमाके की आवाज लगभग दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। धमाके के तुरंत बाद आसमान में धुएँ का गुबार उठता दिखा, जिसने आस-पास के इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। फैक्ट्री के अंदर पटाखों में लगी आग की वजह से कई छोटे-बड़े धमाके भी हुए, जिससे बचाव कार्य और मुश्किल हो गया और कुछ समय तक वह इलाका खतरनाक बना रहा।

शुरूआती जानकारी के मुताबिक, धमाके के समय पटाखा फैक्ट्री में करीब 25 कर्मचारी काम कर रहे थे। यह फैक्ट्री कौशाम्बी के पुरामुफ्ती पुलिस स्टेशन इलाके के मनौरी में स्थित है। मौके पर पुलिस, फायर ब्रिगेड के कर्मचारी और प्रशासनिक टीमें तैनात की गई हैं। राहत और बचाव कार्य जारी हैं; टीमें आग को पूरी तरह बुझाने और गिरी हुई इमारत के मलबे को हटाने का काम कर रही हैं ताकि अगर कोई अंदर फंसा हो, तो उसे ढूंढा जा सके।

जयराम रमेश का बीजेपी-आरएसएस पर हमला, दलितों के अपमान पर चुप क्यों सरकार?

नई दिल्ली, 31 अगस्त। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ FIR दर्ज होने के बाद, कांग्रेस के सीनियर सांसद जयराम रमेश ने भारतीय जनता पार्टी (और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की आलोचना की है। हल्द्वानी में एक 'शुद्धिकरण' कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी की टिप्पणियों को लेकर मिली शिकायत के बाद हल्द्वानी सिटी कोतवाली पुलिस ने यह FIR दर्ज की। रमेश ने BJP-RSS पर आरोप लगाया कि वे जातिगत भेदभाव को दूर करने के बजाय न्याय की मांग करने वालों को निशाना बनाते हैं।

रमेश ने कहा कि राहुल गांधी जी ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में दलितों के साथ होने वाले अन्याय, अपमान और भेदभाव का मुद्दा उठाया था, और BJP-RSS ने उन्हें सही साबित करने में 24 घंटे से भी कम समय लिया। उन्होंने उत्तराखंड में

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद 'शुद्धिकरण' के नाम पर छुआछूत और अपमान का मुद्दा उठाया था और इसमें शामिल BJP कार्यकताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

यह FIR गांधी की उन टिप्पणियों से जुड़ी है जो उन्होंने 8 अगस्त को हल्द्वानी में कांग्रेस की रैली के बाद आयोजित 'शुद्धिकरण यज्ञ' के बारे में की थीं। शिकायतकर्ता अमित कुमार, जो अनुसूचित जाति समुदाय के सदस्य हैं, ने आरोप लगाया कि गांधी की टिप्पणियों से अनुसूचित जाति के सदस्यों की भावनाएं आहत हुईं। रमेश ने उत्तराखंड सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसने आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, बल्कि गांधी के खिलाफ FIR दर्ज की, जो न्याय की मांग कर रहे हैं। उन्होंने तर्क दिया कि संविधान भेदभावपूर्ण सोच के खिलाफ एक बाधा के रूप में कार्य करता है और यह सत्ताधारी व्यवस्था के लिए झुंझलाहट का कारण है।

उन्होंने कहा कि यह बात उत्तराखंड में BJP-RSS की डबल-इंजन सरकार को पसंद नहीं आई। इसीलिए, आज भी आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई, लेकिन न्याय की मांग कर रहे राहुल गांधी के खिलाफ ठीक अगले दिन FIR दर्ज कर दी गई। यह वही सोच है जिसके खिलाफ बाबा साहेब का संविधान सबसे बड़ी दीवार बनकर खड़ा है। इसीलिए संविधान उन्हें खटकता है; इसीलिए वे इसे बदलना चाहते हैं।

तेजाब की खुदरा बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 31 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को केंद्र सरकार से जवाब मांगा कि क्या तेजाब की खुदरा बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए या इसे सख्त नियमों के दायरे में रखा जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने 2013 में तेजाब की खुदरा बिक्री को नियंत्रित करने के लिए दिए गए निदेर्शों के बावजूद इसकी आसान उपलब्धता जारी रहने पर चिंता जताई। न्यायालय ने केंद्र सरकार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को छह सप्ताह के भीतर तेजाब हमले के पीड़ितों के लिए उचित पुनर्वास कदम उठाने का भी निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार से एक मॉडल योजना तैयार करने और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्यों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने पर भी विचार करने को कहा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने कहा कि पुनर्वास योजनाओं में तेजाब हमले के पीड़ितों को मुआवजा देने, पुनर्वास, चिकित्सा सहायता और उच्च स्तर तक मुफ्त शिक्षा उपलब्ध कराने जैसे प्रावधान होने चाहिए।

पीठ ने कहा, हमें बताया गया है कि 2013 में कुछ दिशा-निर्देश तय किए गए थे, जो कमोबेश अब अप्रासंगिक हो गए हैं और उनका पालन भी नहीं किया जा रहा है। ऐसे में अब हमें केंद्र सरकार की ओर देखना होगा। पीठ ने केंद्र सरकार से बाजार में तेजाब की खुदरा बिक्री को सख्ती से नियंत्रित करने के लिए एक योजना तैयार करने पर विचार करने को कहा। पीठ ने कहा, केंद्र सरकार यह भी बताए कि तेजाब की खुदरा बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया जाना चाहिए या वैकल्पिक रूप से, क्या ऐसी बिक्री को सख्त नियामक उपायों के अधीन अनुमति दी जानी चाहिए। जिन राज्य सरकारों ने नियम नहीं बनाए हैं, उन्हें नियम बनाने होंगे। पीठ ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से यह जानकारी भी मांगी कि तेजाब हमलों की कितनी घटनाएं सामने आई हैं, उन मामलों में आरोपपत्र दाखिल किए गए हैं या नहीं और कितने मामले अभी सुनवाई या अपील के स्तर पर लंबित हैं।

पीठ ने तेजाब की खुदरा बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के अनुरोध वाली एक नयी अर्जी पर नोटिस जारी किया। अदालत यह सुनवाई तेजाब हमले की पीड़िता शाहीन मलिक की ओर से दायर जनहित याचिका पर कर रही थी।

शूटर ढेर तो सपा का माफिया प्रेम फिर झलका!

शामली में हत्याकांड के कथित शूटरों के एनकाउंटर से पीड़ित परिवार को राहत, सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने उठाए सवाल और मांगी जांच—अपराधियों पर कार्रवाई भी विपक्ष को क्यों खटक रही?

सुरेश गांधी

शामली। अपराधियों की गोलियों से उजड़े एक परिवार के जख्म अभी भरे भी नहीं थे कि शूटरों के एनकाउंटर ने सियासत को फिर कठघरे में खड़ा कर दिया। पुलिस के मुताबिक हत्याकांड में शामिल दो कथित शूटर मुठभेड़ में मारे गए। पीड़ित परिवार ने इसे राहत के तौर पर देखा, लेकिन सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने एनकाउंटर की परिस्थितियों पर सवाल उठाते हुए जांच की मांग कर दी। इसके साथ ही भाजपा और सपा के बीच पुरानी बहस फिर सतह पर आ गई—अपराधियों पर पुलिस की कार्रवाई या विपक्ष की आपत्ति?

सियासी गलियारों में इसे लेकर भाजपा ने सपा पर निशाना साधते हुए सवाल उठाना शुरू कर दिया है कि जब किसी परिवार का अपना व्यक्ति अपराधियों की गोली का शिकार होता है, तब न्याय की मांग सबसे ऊपर होती है। लेकिन जैसे ही पुलिस उन्हीं कथित हत्यारों तक पहुंचती है, कार्रवाई पर सवाल क्यों?

माफिया प्रेम का आरोप फिर सामने:

उत्तर प्रदेश की राजनीति में सपा पर अपराधियों और माफिया तत्वों को लेकर भाजपा लंबे समय से हमलावर रही है। शामली की घटना ने इस पुराने राजनीतिक नैरेटिव को फिर हवा दे दी है। सत्तापक्ष के लिए यह सवाल उठाने का मौका है कि क्या अपराधियों के खिलाफ कठोर पुलिस कार्रवाई विपक्ष को इसलिए असहज कर रही है क्योंकि इससे उसका राजनीतिक मुद्दा कमजोर पड़ रहा है?

हालांकि सपा का पक्ष अलग है। पार्टी की ओर से एनकाउंटर की परिस्थितियों की जांच की मांग को कानून के राज और पुलिस की जवाबदेही से जोड़ा जा रहा है। लेकिन राजनीतिक सवाल यह है कि जांच की मांग और अपराधियों के प्रति सहानुभूति के बीच की महीन रेखा आखिर कहां है?

पीड़ित परिवार की आंखों से देखिए शामली: इस पूरे विवाद में सबसे महत्वपूर्ण आवाज किसी राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि उस परिवार की है जिसने अपना सदस्य खोया। जिस परिवार ने हत्यारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की, उसके लिए पुलिस की कार्रवाई राहत लेकर आई है।

यहीं सियासत और पीड़ित के दर्द का अंतर दिखाई देता है।

एक तरफ वह परिवार है जो चाहता है कि उसके घर को उजाड़ने वालों को किसी कीमत पर बचने न दिया जाए। दूसरी तरफ राजनीतिक बयानबाजी है, जहां एनकाउंटर की वैधता और परिस्थितियों पर सवाल उठ रहे हैं।

सवाल जायज हैं तो जांच होनी चाहिए, मगर जांच की आड़ में अपराधियों के प्रति नरमी का संदेश भी नहीं जाना चाहिए।

शूटर मरे, मगर साजिश अभी जिंदा है: पुलिस की कार्रवाई से दो कथित शूटर भले ही मारे गए हों, लेकिन हत्याकांड की असली तस्वीर तभी पूरी होगी जब साजिश के हर किरदार का चेहरा सामने आए। हत्या किसने कराई, सुपारी किसने दी, हथियार किसने उपलब्ध कराए और पूरी योजना के पीछे कौन था—इन सवालों का जवाब अभी बाकी है।

इसलिए शामली की असली लड़ाई अब एनकाउंटर बनाम सियासत की नहीं, बल्कि पूरी साजिश के पदार्फाश की होनी चाहिए।

सपा जांच की मांग कर रही है तो सरकार और पुलिस को भी पारदर्शिता से पीछे नहीं हटना चाहिए। मगर साथ ही विपक्ष को भी यह स्पष्ट करना होगा कि उसकी आपत्ति पुलिस की प्रक्रिया पर है या अपराधियों पर हुई कार्रवाई पर।

क्योंकि जनता सब देख रही है—हत्यारे की गोली से उजड़ा परिवार न्याय चाहता है, और सियासत उस न्याय की परिभाषा तय करने में जुटी है।

कांग्रेस ने हमेशा मुसलमानों को वोट बैंक बनाया : मुख्यमंत्री मोहन यादव

ओरछा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को कांग्रेस पर मुसलमानों को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि तुष्टीकरण की इसी राजनीति के कारण उसने आजादी से पहले भी राष्ट्र गीत वंदे मातरम के कुछ अहम हिस्सों को हटा दिया था। धार्मिक नगरी ओरछा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश कार्यसमिति के समापन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस आज भी उसी नीति पर चल रही है। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे जनता के बीच जाएं तथा केंद्र एवं मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार की उपलब्धियां बताएं एवं प्रमुख विपक्षी पार्टी की तुष्टीकरण की नीति के खिलाफ प्रदेश भर में माहौल भी बनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस ने हमेशा मुस्लिम समाज का वोट लिया और सत्ता हासिल की लेकिन कभी

उनका विकास नहीं किया। उन्हें बस वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा मुस्लिम समाज ने भी आंखें बंद कर कांग्रेस पर भरोसा किया लेकिन कांग्रेस ने मुसलमानों को हिंदुओं से लड़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आजादी के पहले वंदे मातरम के लिए कांग्रेस ने जो किया, वह आज भी वही कर रही है दरअसल, पहले वंदे मातरम के दो अंतरे ही गाए जाते थे लेकिन संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार ने वंदे मातरम के पूर्ण संस्करण को कानूनी संरक्षण दिया है।

कावेरी जल विवाद: कर्नाटक ने सुप्रीम कोर्ट में कहा, तमिलनाडु को तय मात्रा से अधिक पानी दिया

नई दिल्ली, 31 अगस्त। कर्नाटक सरकार ने उच्चतम न्यायालय को बताया कि उसने सोमवार तक तमिलनाडु के लिए तय मात्रा से अधिक पानी छोड़ा है और वह कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के 9,000 क्यूसेक पानी का प्रवाह सुनिश्चित करने संबंधी निर्देश का पालन कर रही है। गत 25 अगस्त को सीडब्ल्यूएमए ने कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) की उस सिफारिश को बरकरार रखा था, जिसमें कर्नाटक को 15 दिनों तक तमिलनाडु के लिए 9,000 क्यूसेक पानी का प्रवाह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ के समक्ष मामले की

सुनवाई हुई।

तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सी.एस. वैद्यनाथन ने पीठ को बताया कि राज्य ने प्राधिकरण के समक्ष पानी की पिछली कमी (बकाया) का मुद्दा उठाया था, लेकिन इस संबंध में कोई निर्देश जारी नहीं किया गया। कर्नाटक सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने कहा, आज की तारीख तक हम (सीडब्ल्यूएमए के निर्देश का) पालन कर रहे हैं। दीवान ने कहा कि 25 अगस्त के निर्देश के अनुसार 9,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जाना था और पहले दिन कर्नाटक ने 10,727 क्यूसेक पानी छोड़ा।

उन्होंने कहा, 30 अगस्त को 9,888 क्यूसेक पानी छोड़ा गया और आज सुबह आठ बजे तक 11,547 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। उन्होंने कहा, आज तक हमने तय मात्रा से अधिक पानी छोड़ा है। शीर्ष अदालत तमिलनाडु सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कर्नाटक को उसे तत्काल पानी छोड़ने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai 400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

भागवत की अमेरिका यात्रा: भारतीय चिंतन की सार्थक प्रस्तुति

-ललित गर्ग

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की अगस्त 2026 की अमेरिका यात्रा को केवल प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम तक सीमित करके देखना उसके व्यापक अर्थ को छोटा करना होगा। न्यूयार्क में 29 अगस्त को आयोजित द्वापक विश्व, एक मानवताह्व कार्यक्रम में उनका संबोधन ऐसे समय हुआ, जब संघ को लेकर भारत ही नहीं, विदेशों में भी अनेक धारणाएं, आरोप और पूर्वाग्रह सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बने हुए हैं। ऐसे वातावरण में भागवत ने जिस प्रकार विविधता, संवाद, सेवा, सह-अस्तित्व और मानवीय एकात्मता को केंद्र में रखा, उससे संघ की विचारधारा को उसके समर्थकों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक समाज के सामने भी एक अलग दृष्टि से प्रस्तुत किया। यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि संघ अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है और उसके विचार अब भारत की सीमाओं से बाहर भी व्यापक चर्चा का विषय बन रहे हैं। भागवत का अमेरिका जाना वस्तुतः संघ के विचार को प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से समझाने का अवसर बना। संघ के बारे में भारत में लंबे समय से दो विपरीत धारणाएं दिखाई देती रही हैं। एक पक्ष उसे भारतीय संस्कृति, राष्ट्रभावना, सेवा और सामाजिक संगठन की विराट शक्ति मानता है, जबकि दूसरा पक्ष उसके विचारों को संकीर्ण धार्मिक राजनीति से जोड़कर देखता है। कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों ने समय-समय पर संघ और उसके विचारों पर गंभीर राजनीतिक प्रश्न उठाए हैं। अमेरिका में भी कार्यक्रम से पहले कुछ संगठनों और राजनीतिक व्यक्तियों ने भागवत की यात्रा और संघ की विचारधारा पर आपत्तियां व्यक्त कीं। ऐसे माहौल में किसी संस्था की वास्तविक छवि केवल आरोप-प्रत्यारोप से नहीं बनती, वह संवाद से बनती है। यही इस यात्रा का सबसे बड़ा महत्व है। भागवत ने अपने विचार विरोधियों पर आक्रमण करके नहीं, बल्कि भारतीय चिंतन की व्याख्या करके सामने रखे। इससे संघ को लेकर बनी धारणाओं पर बहस का एक नया आधार तैयार हुआ।

न्यूयार्क में भागवत के वक्तव्य का सबसे अधिक चर्चित पक्ष उनका हिंदू-मुस्लिम संबंधों पर स्पष्ट कथन रहा। उन्होंने कहा कि यदि कोई हिंदू यह मानता है कि भारत में मुसलमानों के लिए स्थान नहीं होना चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रह सकता। यह कथन राजनीतिक नारे से अधिक महत्वपूर्ण इसलिए है कि इसमें हिंदुत्व की उनकी व्याख्या को सामाजिक समावेश के साथ जोड़ा गया है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सत्य एक है और उसे समझने तथा व्यक्त करने के मार्ग अलग-अलग हो सकते हैं। भारतीय परंपरा की यही विशेषता है कि वह मतभिन्नता को अस्तित्व के संकट के रूप में नहीं, बल्कि सत्य की विविध अभिव्यक्तियों के रूप में देखने की क्षमता रखती है। यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आता है-यदि हिंदुत्व का अर्थ भारत की सांस्कृतिक चेतना है, तो क्या वह किसी समुदाय को भारत से बाहर कर सकता है? भागवत का उत्तर स्पष्ट रूप से नकारात्मक दिखाई देता है। उनका कथन हिंदुत्व की उस व्याख्या को सामने रखता है, जिसमें भारतीयता किसी एक पूजा-पद्धति की बपौती नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक विरासत है। भागवत ने अमेरिका में भारत की विविधता को उसकी कमजोरी नहीं, शक्ति बताया। उनके अनुसार विविधता और एकता भारत के स्वभाव में ही अंतर्निहित हैं। भारत में भाषा, जाति, पंथ, पूजा-पद्धति और परंपराओं की असंख्य धाराएं हैं, फिर भी इन्हें एक साझा सभ्यतागत चेतना जोड़ती रही है। यह संदेश आज विश्व के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। अनेक देशों में धार्मिक पहचान, नस्लीय भेद, सांस्कृतिक असहमति और राजनीतिक ध्रुवीकरण सामाजिक तनाव बढ़ा रहे हैं। ऐसे समय भारत का अनुभव यह बताता है कि भिन्नताओं को मिटाना आवश्यक नहीं, उन्हें सम्मान देकर भी एकता स्थापित की जा सकती है। यही विचार भागवत के संबोधन को सामान्य राजनीतिक भाषण से ऊपर उठाता है। उनका आग्रह था कि विविधता को स्वीकार ही नहीं, सम्मान और संरक्षण भी मिलना चाहिए।

संघ की सार्वजनिक छवि का एक बड़ा हिस्सा राजनीतिक विमर्श से निर्मित हुआ है, जबकि संघ स्वयं को सामाजिक संगठन और सेवा-आधारित सांस्कृतिक आंदोलन के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। भागवत ने अमेरिका में भी सेवा, सामाजिक समरसता और संवाद को परिवर्तन का आधार बताया। यही वह बिंदु है जहां संघ की छवि को केवल चुनावी राजनीति के चश्मे से देखने की सीमा सामने आती है। किसी संगठन को समझने के लिए उसके राजनीतिक प्रभाव के साथ उसकी सामाजिक गतिविधियों, सेवा-कार्य, संगठनात्मक संस्कृति और वैचारिक आधार को भी देखना आवश्यक है। भागवत की यात्रा ने कम से कम इतना अवसर अवश्य दिया कि संघ को उसके अपने शब्दों और उसके सरसंघचालक की प्रत्यक्ष व्याख्या के आधार पर सुना जाए।

अमेरिका में बसे भारतीयों से भागवत ने एक संतुलित संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिस देश में वे रह रहे हैं, वह उनकी कर्मभूमि है और वहां के प्रति उनकी निष्ठा तथा दायित्व सर्वोपरि है। साथ ही भारत उनकी जन्मभूमि है, जिससे उन्हें मानवीय मूल्यों और सांस्कृतिक संस्कारों की विरासत मिली है। यह दृष्टि प्रवासी भारतीयों के सामने पहचान के संघर्ष के बजाय पहचान के समन्वय का मार्ग रखती है। अपनी जड़ों से जुड़े रहना और जिस समाज में रह रहे हैं उसके प्रति पूर्ण निष्ठा रखना-दोनों एक साथ संभव हैं। यही भारतीय संस्कृति की उदारता है। यह भी तथ्य है कि भागवत के कार्यक्रम का अमेरिका में विरोध हुआ और संघ की विचारधारा को लेकर तीखी आलोचनाएं सामने आईं। लेकिन लोकतांत्रिक समाज में किसी विचार का उत्तर उसे दबाकर नहीं, उसके साथ संवाद करके दिया जाता है। इस दृष्टि से यह यात्रा संघ के लिए भी एक परीक्षा थी। भागवत ने विरोध का उत्तर आक्रमक भाषा में देने के बजाय एकात्मता, मानवता और सह-अस्तित्व की बात की। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है। आलोचक उनके शब्दों और संघ के व्यवहार के बीच अंतर का प्रश्न उठा रहे हैं, समर्थक इसे संघ के मूल विचारों की स्पष्ट अभिव्यक्ति मान रहे हैं। इस बहस का अंतिम निर्णय समय और व्यवहार करेगा, लेकिन इतना निश्चित है कि बहस अब अधिक प्रत्यक्ष और वैचारिक हो गई है।

मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा को संघ की छवि पर वर्षों से चले आ रहे विवाद का अंतिम उत्तर मानना अतिशयोक्ति होगी। किंतु इसे एक महत्वपूर्ण मोड़ अवश्य कहा जा सकता है। जिन लोगों ने संघ को केवल राजनीतिक आरोपों और विरोधी व्याख्याओं के माध्यम से जाना है, उन्हें पहली बार इतने बड़े वैश्विक मंच पर उसके शीर्ष नेतृत्व की विचार-दृष्टि को सीधे सुनने का अवसर मिला। इससे संघ के लिए एक उजाला इसलिए बना है कि इसमें प्रतिरक्षा की भाषा कम और आत्मविश्वास की भाषा अधिक दिखाई दी। इसमें यह कहने का प्रयास था कि भारतीयता किसी के निषेध से नहीं, सबके सम्मान से मजबूत होती है, हिंदुत्व किसी समुदाय के बहिष्कार से नहीं, मानवता की एकात्म दृष्टि से सार्थक होता है और भारत की शक्ति उसकी समानता में नहीं, उसकी विविधताओं के बीच बनी रहने वाली सांस्कृतिक एकता में है। आज विश्व को केवल आर्थिक शक्ति, सैन्य शक्ति और तकनीकी प्रगति की आवश्यकता नहीं है। उसे ऐसा जीवन-दर्शन भी चाहिए जो मनुष्य को मनुष्य से जोड़ सके। भागवत के अमेरिकी संबोधन में भारत की इसी भूमिका की कल्पना दिखाई दी-एक ऐसा भारत जो अपनी परंपरा के बल पर विश्व को सह-अस्तित्व, संवाद और एकात्मता का रास्ता दिखा सके। मोहन भागवत की यह यात्रा इसलिए स्मरणीय रहेगी कि उसने संघ के बारे में चल रही बहस को भारत की सीमाओं से निकालकर विश्व के सार्वजनिक विमर्श में पहुंचा दिया। अब संघ की पहचान केवल उसके विरोधियों के आरोपों या समर्थकों के दावों से नहीं, बल्कि उसके विचार, उसके व्यवहार और समाज के साथ उसके संवाद से तय होगी। अंततः किसी विचारधारा की सबसे बड़ी शक्ति उसका प्रचार नहीं, उसका आचरण होता है। अमेरिका की धरती से भागवत ने जो संदेश दिया है, उसकी वास्तविक कसौटी भारत की धरती पर सामाजिक समरसता, सेवा, संवाद और सह-अस्तित्व के रूप में दिखाई देगी। यदि यह संदेश व्यवहार में उतरता है, तो यह केवल संघ की छवि को नहीं, भारत की वैश्विक सांस्कृतिक प्रतिष्ठा को भी नई ऊंचाई दे सकता है।

मध्य एशिया में भारत का रणनीतिक अभ्युदय और उज्बेकिस्तान यात्रा

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय उज्बेकिस्तान यात्रा केवल एक राजनयिक औपचारिकता मात्र नहीं थी, बल्कि यह बदलते वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य में भारत के बढ़ते रणनीतिक प्रभाव का एक ठोस घोषणापत्र बनकर उभरी है। ताशकंद के कुकसारोय राष्ट्रपति पैलेस में आयोजित एक विशेष गरिमामयी समारोह में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव द्वारा पीएम मोदी को उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान ह्यऑर्डर ऑफ ओली दाराजाली दोस्तलिकह्व प्रदान किया जाना, इस बात का सीधा प्रमाण है कि दोनों देशों के रिश्ते अब सामान्य द्विपक्षीय विमर्श से कहीं आगे निकलकर एक प्रगाढ़ और अटूट रणनीतिक साझेदारी का रूप ले चुके हैं। प्रधानमंत्री का यह 36वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान वैश्विक पटल पर भारत की बढ़ती स्वीकार्यता और 'विश्वमित्र' की उसकी साख को और पुख्ता करता है। हालांकि, इस ऐतिहासिक यात्रा का वास्तविक मूल्यांकन केवल प्रतीकों और मेडल से नहीं, बल्कि उन रणनीतिक, आर्थिक और ऊर्जा समझौतों से होना चाहिए जो भारत के दीर्घकालिक हितों को सीधे तौर पर प्रभावित करते हैं। उज्बेकिस्तान को मध्य एशिया का हृदय स्थल माना जाता है और इस भू-भाग में अपनी पैठ मजबूत किए बिना भारत अपने यूरेशियाई सपनों को साकार नहीं कर सकता। इस यात्रा का सबसे बड़ा और गेम-चेंजर नतीजा यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति के लिए एक स्थायी रणनीतिक ढांचे का निर्माण होना है। भारत अपनी स्वच्छ ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं और परमाणु ऊर्जा क्षमताओं के विस्तार के लिए बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन से इतर विकल्पों की तलाश कर रहा है। उज्बेकिस्तान दुनिया के शीर्ष यूरेनियम उत्पादक देशों में शामिल है, और वहां से परमाणु ईंधन की निर्बाध आपूर्ति का मार्ग प्रशस्त होना भारत की भावी ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। इस एकल समझौते ने भारत को ऊर्जा के मोर्चे पर एक बड़ी आत्मनिर्भरता और विविधता प्रदान की है। इसके साथ ही, दोनों देशों ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक अपग्रेड कर दिया है। यह केवल एक शब्दावली नहीं है, बल्कि इसके तहत दोनों देशों ने वर्ष 2030 तक आपसी व्यापार को 5 अरब डॉलर तक ले जाने का एक अत्यंत महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में दोनों देशों के बीच व्यापारिक गतिविधियां 1 अरब डॉलर के स्तर को पार कर चुकी हैं और संयुक्त उपक्रमों में सात गुना की भारी बढ़ोतरी देखी गई है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण अब केवल कागजी समझौतों तक सीमित रहने का नहीं है, बल्कि उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया है कि समझौतों को फाइलों की धूल से निकालकर धरातल पर क्रियान्वित किया जाना चाहिए। इसी सोच के तहत भारत ने अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और शहरी नियोजन के अनुभवों को उज्बेकिस्तान के साथ साझा करने की प्रतिबद्धता जताई है। उज्बेकिस्तान द्वारा बनाए जा रहे 'न्यू ताशकंद' शहर के विकास में भारत अपने गुजरात के गिफ्ट सिटी के सफल मॉडल, आधुनिक तकनीक और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के अनुभवों का उपयोग करने का अवसर दे रहा है।

रक्षा और सुरक्षा के मोर्चे पर भी इस यात्रा ने एक नई इबारत लिखी है। दोनों देशों ने अपनी रक्षा प्रणालियों को सह-विकास और संयुक्त उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए अपनी रक्षा उद्योगों को प्रोत्साहित करने का फैसला किया है। आतंकवाद, कट्टरपंथ और अलगाववाद जैसी साझा चुनौतियों से निपटने के लिए दोनों देशों का एक साथ आना मध्य एशियाई क्षेत्र की स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण है। भारत ने कनेक्टिविटी की बाधाओं को दूर करने के लिए डिजिटल भुगतान प्रणाली के विस्तार, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आयुर्वेद के क्षेत्र में भी उज्बेकिस्तान के साथ 11 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा, अरल सागर क्षेत्र में पर्यावरण पुनर्वास के लिए भारत द्वारा 1 मिलियन डॉलर का अनुदान देना यह साबित करता है कि भारत इस क्षेत्र के केवल आर्थिक दोहन में नहीं, बल्कि इसके सतत विकास में भी अपनी जिम्मेदारियां समझता है। सांस्कृतिक कूटनीति के स्तर पर, ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज में आईसीसीआर संस्कृत चेयर की स्थापना और प्राचीन बौद्ध विरासत स्थलों के संरक्षण की पहल ने दोनों सभ्यताओं के ऐतिहासिक जुड़ाव को पुनर्जीवित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने उज्बेकिस्तान के इस सर्वोच्च सम्मान 'दोस्तलिक' का श्रेय भारत के 140 करोड़ नागरिकों और दोनों देशों की सदियों पुरानी ऐतिहासिक विरासत को देकर कूटनीति में एक संवेदनशील और मानवीय दृष्टिकोण का परिचय दिया। विदेश नीति के मोर्चे पर सरकार की इस बड़ी कूटनीतिक सफलता के बावजूद, घरेलू राजनीति में इस पर तीखी और बंटी हुई प्रतिक्रियाएं देखने को मिली हैं। भारत की राजनीतिक परंपरा रही है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के मुद्दों पर अमूमन एक व्यापक सहमति दिखती है, लेकिन हाल के वर्षों में अंतरराष्ट्रीय दौरों और सम्मानों को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग तेज हुई है। कांग्रेस सहित मुख्य विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री को मिले सर्वोच्च सम्मान का स्वागत तो किया, लेकिन सरकार के इस दावों पर सवाल भी उठाए कि यह देश के इतिहास की सबसे अनूठी घटना है। विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं का तर्क है कि भारत के प्रधानमंत्रियों को अतीत में भी विभिन्न देशों से सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिलते रहे हैं, और इसे किसी एक व्यक्ति की निजी छवि चमकाने के उपकरण के रूप में प्रचारित नहीं किया जाना चाहिए। विपक्ष ने इसे ॠइवेंट मैनेजमेंटॠ करार देते हुए कहा कि सरकार को विदेशी धरती पर मिलने वाले सम्मानों से अधिक ध्यान देश के आर्थिक संकट, बेरोजगारी और आंतरिक सुरक्षा पर देना चाहिए। सामरिक विशेषज्ञों और विपक्षी विचारकों ने उज्बेकिस्तान के साथ 5 अरब डॉलर के व्यापार लक्ष्य को तो सराहा, लेकिन व्यावहारिक बाधाओं की ओर ध्यान आकर्षित किया। विपक्ष का कहना है कि पाकिस्तान द्वारा जमीनी मार्ग रोके जाने के कारण भारत के लिए मध्य एशिया तक सीधी पहुंच हमेशा से एक बड़ी चुनौती रही है। ईरान के चाबहार बंदरगाह और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे के विकास की सुस्त रफ्तार को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरा। विपक्षी नेताओं का कहना है कि जब तक कनेक्टिविटी के इन प्रोजेक्ट्स को युद्धस्तर पर पूरा नहीं किया जाता, तब तक उज्बेकिस्तान या किसी अन्य मध्य एशियाई देश के साथ बड़े व्यापारिक लक्ष्यों को हासिल करना केवल एक कागजी कोरी कल्पना ही बना रहेगा। उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद का नाम आते ही भारत के मानस पटल पर पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की रहस्यमयी मृत्यु की यादें ताजा हो जाती हैं। सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में विपक्षी समर्थकों और कुछ क्षेत्रीय दलों ने इस बात पर नाराजगी जताई कि ताशकंद की धरती पर होने के बावजूद, शास्त्री जी की मृत्यु से जुड़े रहस्यों को उजागर करने या उस ऐतिहासिक संदर्भ पर कड़े राजनयिक प्रयास करने की दिशा में इस यात्रा में कोई ठोस बात सामने नहीं आई। विपक्ष का आरोप है कि सरकार इतिहास के प्रतीकों का इस्तेमाल केवल अपनी सुविधा के अनुसार करती है। वामपंथी और कुछ अन्य विपक्षी दलों ने भारत की पारंपरिक गुटनिरपेक्ष नीति के कमजोर होने की आशंका जताई। हालांकि, विदेश नीति के जानकारों का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा यह संदेश देती है कि भारत किसी स्थायी खेमे या ब्लॉक (जैसे पश्चिमी देश या चीन-रूस ब्लॉक) का हिस्सा बनने के बजाय, अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर स्वतंत्र और व्यावहारिक कूटनीति का संचालन कर रहा है। विपक्ष का एक वर्ग इस बात को लेकर भी सतर्क है कि शंघाई सहयोग संगठन और मध्य एशिया में चीन के भारी आर्थिक दबदबे के बीच भारत खुद को कितनी मजबूती से स्थापित कर पाता है, क्योंकि केवल ऋण और अनुदानों के छोटे पैकेजों से चीन की 'चेकबुक डिप्लोमेसी' का मुकाबला नहीं किया जा रहा है।

अंततः यह स्पष्ट है कि उज्बेकिस्तान की यह यात्रा भारत के लिए सामरिक और ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से एक बड़ी कामयाबी है। यूरेनियम आपूर्ति की गारंटी और यूरेशियाई क्षेत्र में भारत की मजबूत होती उपस्थिति देश के दूरगामी हितों को सुरक्षित करती है। जहां सत्तापक्ष इसे वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते दबदबे और प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व के रूप में देख रहा है, वहीं विपक्ष की आलोचनाएं सरकार को जमीन से जुड़े रहने, परियोजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन और घरेलू मोर्चे पर चुनौतियों को न भूलने की याद दिलाती हैं। लोकतंत्र की यही खूबसूरती है कि जहां विदेशी धरती पर देश का मान बढ़ता है, वहीं देश के भीतर उस सफलता के व्यावहारिक पहलुओं पर तीखी और तार्किक बहस भी जरूरी होती है।

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

बेहतर से बेहतर, भारत आत्मनिर्भर

-विक्रम दयाल

गांव की मिट्टी से शहर की तकनीक तक—आत्मनिर्भर भारत ही विकसित भारत की मजबूत नींव भारत केवल एक भौगोलिक सीमा का नाम नहीं है। यह खेतों में पसीना बहाते किसान का विश्वास है, सीमा पर खड़े जवान का साहस है, प्रयोगशाला में रात-दिन जुटे वैज्ञानिक का संकल्प है, कारखाने में मशीन चलाते श्रमिक की मेहनत है, विद्यालय में भविष्य गढ़ते शिक्षक की साधना है और गांव की चौपाल से लेकर महानगरों की ऊंची इमारतों तक करोड़ों भारतीयों के सपनों का नाम है। ऐसे भारत को यदि वास्तव में मजबूत, समृद्ध और सम्मानित बनाना है तो आत्मनिर्भरता को केवल एक सरकारी नारा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जीवन -पद्धति बनाना होगा। आत्मनिर्भरता का अर्थ यह नहीं कि भारत दुनिया से कट जाए। इसका वास्तविक अर्थ है—भारत इतना सक्षम बने कि आवश्यकता पड़ने पर अपने पैरों पर खड़ा रह सके, अपने संसाधनों का बेहतर उपयोग कर सके, अपने नागरिकों को अवसर दे सके और दुनिया के साथ बराबरी के स्तर पर साझेदारी कर सके। आत्मनिर्भर भारत का सपना गांव से शुरू होकर शहर तक और खेत से लेकर अंतरिक्ष तक पहुंचना चाहिए। गांव मजबूत होगा, तभी भारत मजबूत होगा भारत की आत्मा आज भी गांवों में बसती है। गांव की मजबूती के बिना आत्मनिर्भर भारत की कल्पना अधूरी है। कभी गांव का अर्थ केवल खेती और पशुपालन तक सीमित समझा जाता था। आज गांव को कृषि के साथ-साथ कुटीर उद्योग, हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण, डिजिटल सेवाओं, ग्रामीण पर्यटन, मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन, डेयरी, जैविक खेती और छोटे उद्यमों का केंद्र बनाया जा सकता है। गांव का युवक केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, नौकरी देने वाला भी बने—यही आत्मनिर्भरता की वास्तविक दिशा है। जिस गांव का किसान अपने खेत की उपज को कच्चे माल के रूप में बेचने के बजाय उसका प्रसंस्करण करके बाजार में बेच सकेगा, उसकी आय बढ़ेगी। जिस गांव की महिला स्वयं सहायता समूह के माध्यम से अचार, मसाले, हस्तशिल्प, वस्त्र, खाद्य सामग्री या अन्य उत्पाद तैयार करके डिजिटल बाजार तक पहुंचा सकेगी, वहां आर्थिक आत्मविश्वास बढ़ेगा। इसलिए गांव को शहर की नकल बनाने की जरूरत नहीं है; गांव की अपनी शक्ति को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की जरूरत है। किसान आत्मनिर्भर तो खाद्य सुरक्षा मजबूत आत्मनिर्भर भारत की चर्चा कृषि के बिना अधूरी है। हमारे किसान ने सदियों से देश का पेट भरा है। अब समय है कि देश किसान की मेहनत को केवल उत्पादन के आंकड़ों में न देखे, बल्कि उसकी आय, सम्मान और भविष्य की सुरक्षा से भी जोड़े। खेती में आधुनिक सिंचाई, मृदा परीक्षण, मौसम की जानकारी, ड्रोन, सटीक कृषि तकनीक, बेहतर बीज, भंडारण, कोल्ड-चेन और सीधे बाजार तक पहुंच जैसी व्यवस्थाएं किसानों को मजबूत कर सकती हैं। कृषि-तकनीक आज डिजिटल प्लेटफॉर्म, प्रिसीजन फार्मिंग, ड्रोन आधारित सेवाओं और बेहतर आपूर्ति-श्रृंखला के माध्यम से खेती को नए रूप में बदल रही है लेकिन तकनीक का लाभ तभी सार्थक होगा जब वह छोटे किसान तक पहुंचे। किसान के सामने सबसे बड़ी समस्या केवल उत्पादन नहीं, बल्कि उचित मूल्य, भंडारण, बाजार और जोखिम भी है। अतः आत्मनिर्भर कृषि का अर्थ होना चाहिए— उत्पादन भी अपना, प्रसंस्करण भी अपना, बाजार तक पहुंच भी अपनी और किसान की आय का सम्मान भी अपना। यदि गांव में ही टमाटर से सॉस, फल से जैम, दूध से दुग्ध उत्पाद, अनाज से पैकेज्ड खाद्य सामग्री और स्थानीय उपज से ब्रांड तैयार होने लगें तो रोजगार गांव में ही पैदा होगा। यही गांव से आत्मनिर्भर भारत की यात्रा होगी। शिक्षा—आत्मनिर्भरता की पहली पाठशाला किसी भी देश की आत्मनिर्भरता की असली नींव उसके विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में रखी जाती है। ऐसी शिक्षा का क्या लाभ जो केवल डिग्री दे, लेकिन हाथ में हुनर न दे? आज आवश्यकता ऐसी शिक्षा की है जिसमें ज्ञान के साथ कौशल, विज्ञान के साथ संस्कार, तकनीक के साथ रचनात्मकता और रोजगार के साथ उद्यमिता जुड़ी हो। गांव के बच्चे को भी वही गुणवत्तापूर्ण डिजिटल और वैज्ञानिक शिक्षा मिले जो महानगर के बच्चे को उपलब्ध है। विद्यालयों में स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप कृषि, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कुटीर उद्योग और उद्यमिता जैसी व्यावहारिक शिक्षा का विस्तार होना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल यह नहीं होना चाहिए कि विद्यार्थी नौकरी मांगे; शिक्षा उसे इतना सक्षम बनाए कि वह समस्या पहचानकर उसका समाधान तैयार कर सके। जिस देश के बच्चे समस्याओं के समाधान खोजने लगते हैं, वह देश दूसरों पर निर्भर रहने के बजाय दुनिया को समाधान देने लगता है। तकनीक में आत्मनिर्भरता—भविष्य की अनिवार्यता आज दुनिया में शक्ति का एक बड़ा आधार तकनीक है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, साइबर सुरक्षा, रोबोटिक्स, अंतरिक्ष तकनीक, जैव-प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल अवसंरचना आने वाले समय की अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करेंगे। भारत को इन क्षेत्रों में केवल उपभोक्ता नहीं, निमार्ता और नवप्रवर्तक बनना होगा। हमारे युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। आवश्यकता है प्रतिभा को शोध, पूंजी, प्रयोगशाला, उद्योग और बाजार से जोड़ने की। सरकारी स्तर पर भी आत्मनिर्भरता के लिए अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे, व्यवस्था, जनसांख्यिकी और मांग जैसे व्यापक स्तंभों की अवधारणा सामने रखी गई है। अब इन विचारों को जमीन पर मजबूत परिणामों में बदलना समय की मांग है। शहरों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण आत्मनिर्भर भारत केवल ग्रामीण विकास का कार्यक्रम नहीं है। हमारे शहर उत्पादन, सेवा, तकनीक, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और नवाचार के बड़े केंद्र हैं। महानगरों को ऐसी अर्थव्यवस्था विकसित करनी होगी जिसमें स्थानीय उत्पादन, स्थानीय रोजगार और स्थानीय उद्यमों को अवसर मिले। छोटे दुकानदार से लेकर स्टार्टअप तक और कारीगर से लेकर मध्यम उद्योग तक—हर व्यक्ति आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की कड़ी है। विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम यानी MSME क्षेत्र गांव और शहर के बीच आर्थिक पुल का काम कर सकता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार जनवरी 2026 के आंकड़ों में MSME क्षेत्र का GDP में लगभग 31.1 प्रतिशत, विनिर्माण उत्पादन में 35.4 प्रतिशत और निर्यात में 48.58 प्रतिशत योगदान बताया गया है। इससे स्पष्ट है कि आत्मनिर्भर भारत की कहानी केवल बड़े कारखानों से नहीं लिखी जाएगी; लाखों छोटे उद्यम भी उसके प्रमुख लेखक होंगे। स्थानीय कारीगरों की कला को वैश्विक बाजार भारत की ताकत केवल आधुनिक तकनीक नहीं, बल्कि उसकी परंपरागत कला भी है। कुम्हार, बुनकर, बढ़ई, लोहार, स्वर्णकार, चमड़ा कारीगर, हस्तशिल्पी और अनेक पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े लोग पीढ़ियों से ज्ञान और कौशल को आगे बढ़ाते आए हैं। यदि इन हुनरों को आधुनिक डिजाइन, गुणवत्ता,पैकेजिंग, ई-कॉमर्स और वैश्विक बाजार से जोड़ दिया जाए तो वही परंपरा रोजगार और निर्यात का माध्यम बन सकती है। आत्मनिर्भरता का अर्थ पुरानी चीजों को छोड़ देना नहीं, बल्कि पुराने हुनर को नई तकनीक देना है। महिलाओं की भागीदारी के बिना आत्मनिर्भरता अधूरी भारत की आधी आबादी यदि आर्थिक रूप से मजबूत नहीं होगी तो आत्मनिर्भरता का सपना आधा ही रहेगा। गांवों में स्वयं सहायता समूहों ने महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आगे जरूरत है कि महिलाओं को वित्त, डिजिटल भुगतान, बाजार, प्रशिक्षण, तकनीक और संपत्ति के अवसरों तक और मजबूत पहुंच मिले। एक महिला का छोटा उद्यम केवल एक परिवार की आय नहीं बढ़ाता; वह बच्चों की शिक्षा, परिवार के स्वास्थ्य और पूरे गांव की आर्थिक स्थिति को प्रभावित करता है। इसलिए नारी की आर्थिक आत्मनिर्भरता, परिवार की मजबूती और राष्ट्र की प्रगति—तीनों एक-दूसरे से जुड़े हैं। युवाओं को नौकरी नहीं, अवसर चाहिए भारत की युवा शक्ति उसकी सबसे बड़ी पूंजी है। लेकिन युवा शक्ति तभी राष्ट्रीय शक्ति बन सकती है जब उसके हाथ में शिक्षा के साथ कौशल और कौशल के साथ अवसर हों। युवाओं को केवल सरकारी या निजी नौकरी की प्रतीक्षा में रखने के बजाय उन्हें स्टार्टअप, स्वरोजगार, विनिर्माण, कृषि-तकनीक, डिजिटल सेवाओं और स्थानीय उद्यमों की ओर प्रोत्साहित करना होगा। कौशल विकास को उद्योग की वास्तविक जरूरतों से जोड़ना भी आवश्यक है। भारत सरकार का कौशल विकास मंत्रालय भी कौशल, व्यावसायिक प्रशिक्षण और उद्योग की मांग के बीच दूरी कम करने को अपने प्रमुख उद्देश्यों में रखता है। हमें ऐसे युवाओं की जरूरत है जो कहें— ह्लमुझे रोजगार चाहिएह्व से आगे बढ़कर ह्लमैं रोजगार पैदा करूंगा। स्वास्थ्य में आत्मनिर्भरता कोरोना काल ने दुनिया को यह सिखाया कि स्वास्थ्य व्यवस्था और आवश्यक चिकित्सा सामग्री में अत्यधिक बाहरी निर्भरता किसी भी देश के लिए जोखिम बन सकती है। भारत को दवाओं, चिकित्सा उपकरणों, जांच तकनीक, वैक्सीन, अस्पतालों की क्षमता और स्वास्थ्य अनुसंधान में लगातार मजबूत होना होगा। स्वास्थ्य आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल बड़े अस्पताल नहीं है। गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर महानगर के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल तक एक मजबूत व्यवस्था चाहिए। स्वस्थ नागरिक ही आत्मनिर्भर राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। ऊर्जा में आत्मनिर्भरता आने वाले समय में ऊर्जा किसी भी राष्ट्र की आर्थिक शक्ति का महत्वपूर्ण आधार होगी। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल विद्युत, परमाणु ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और ऊर्जा-कुशल तकनीक में भारत की क्षमता को बढ़ाना आवश्यक है। यदि गांवों में सौर ऊर्जा से सिंचाई हो, छोटे उद्योग चलें, घर रोशन हों और स्थानीय स्तर पर ऊर्जा उत्पादन बढ़े तो इसका लाभ केवल पर्यावरण को नहीं, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मिलेगा। ऊर्जा की सुरक्षा अंततः आर्थिक सुरक्षा से जुड़ी है। रक्षा से लेकर अंतरिक्ष तक आत्मनिर्भर भारत की सीमा खेत और कारखाने तक नहीं है। रक्षा उत्पादन, विमानन, अंतरिक्ष विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स और रणनीतिक तकनीकों में स्वदेशी क्षमता राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक है। भारत की आत्मनिर्भरता की चर्चा में रक्षा, अंतरिक्ष, ऊर्जा, सेमीकंडक्टर और उच्च तकनीक को भी महत्वपूर्ण क्षेत्र माना गया है। जिस देश को अपनी सुरक्षा के लिए आवश्यक तकनीक के लिए हर बार दूसरे देशों की ओर देखना पड़े, उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता सीमित हो जाती है। इसलिए आत्मनिर्भर भारत का एक अर्थ यह भी है कि हमारी प्रतिभा देश की सुरक्षा और वैज्ञानिक शक्ति को अपने हाथों से मजबूत करे। पर्यावरण के बिना विकास अधूरा आत्मनिर्भरता का अर्थ प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन नहीं हो सकता। जल, जंगल और जमीन हमारी आने वाली पीढ़ियों की धरोहर हैं। यदि विकास के नाम पर नदियां प्रदूषित हों, जंगल समाप्त हों, मिट्टी कमजोर हो और हवा जहरीली हो जाए तो ऐसी आर्थिक प्रगति अंततः विनाश का कारण बन सकती है। इसलिए हमें हरित आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ना होगा—कम प्रदूषण, अधिक नवीकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन, पुनर्चक्रण और टिकाऊ उत्पादन इसका हिस्सा होना चाहिए। डिजिटल भारत से आत्मनिर्भर भारत आज बाजार केवल शहर की दुकान तक सीमित नहीं है। एक गांव का छोटा उद्यमी भी मोबाइल के माध्यम से अपने उत्पाद को देश के दूसरे हिस्से में बेच सकता है। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन बाजार, डिजिटल शिक्षा और सरकारी सेवाओं ने संभावनाओं के नए द्वार खोले हैं। लेकिन डिजिटल आत्मनिर्भरता के साथ साइबर सुरक्षा, डेटा सुरक्षा और स्वदेशी तकनीकी क्षमता पर भी ध्यान देना होगा। तकनीक सुविधा बने, निर्भरता नहीं। आत्मनिर्भरता का मतलब दुनिया से दूरी नहीं यह बात विशेष रूप से समझने की आवश्यकता है कि आत्मनिर्भरता का अर्थ आत्मकेंद्रित होना नहीं है। भारत को दुनिया से व्यापार करना है, तकनीक साझा करनी है, निवेश आकर्षित करना है और वैश्विक बाजार में अपने उत्पाद पहुंचाने हैं। लेकिन संबंध बराबरी के हों। हम दुनिया से सीखें, लेकिन अपनी क्षमता भी विकसित करें। हम दुनिया को बाजार दें, लेकिन अपने उत्पादों के लिए भी दुनिया का बाजार बनाएं। हम तकनीक लें, लेकिन अपनी तकनीक भी बनाएं। यही सच्ची आत्मनिर्भरता है। सरकार के साथ समाज की भी जिम्मेदारी आत्मनिर्भर भारत केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। सरकार नीतियां बना सकती है, बुनियादी सुविधाएं दे सकती है और आर्थिक सहायता उपलब्ध करा सकती है; लेकिन आत्मनिर्भरता को जन-आंदोलन बनाने के लिए समाज, उद्योग, किसान, शिक्षक, वैज्ञानिक, व्यापारी और युवा—सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। हमें स्थानीय उत्पादों को सम्मान देना होगा। गुणवत्ता के नाम पर समझौता नहीं करना होगा। भारतीय उत्पाद अच्छा हो तो उसे गर्व से अपनाना होगा। सिर्फ इसलिए किसी वस्तु को खरीदना कि वह भारतीय है, पर्याप्त नहीं। भारतीय उत्पाद को इतना बेहतर बनाना होगा कि ग्राहक उसे गुणवत्ता के कारण चुने। आत्मनिर्भरता का अगला चरण यही है— लोकल के लिए वोकल से आगे बढ़कर लोकल को ग्लोबल बनाना। आत्मनिर्भरता की सबसे बड़ी कसौटी—आम आदमी किसी भी राष्ट्रीय अभियान की सफलता का अंतिम पैमाना आंकड़े नहीं, आम आदमी का जीवन है। यदि गांव का किसान सुरक्षित और सम्मानित है, मजदूर के पास काम है, युवा के पास अवसर है, महिला के पास आर्थिक स्वतंत्रता है, बच्चे को अच्छी शिक्षा है, मरीज को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा है, छोटे व्यापारी को बाजार है और कारीगर के हुनर को सम्मान व उचित मूल्य मिलता है—तभी कहा जाएगा कि भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आत्मनिर्भर भारत की सबसे सुंदर तस्वीर वह होगी जिसमें गांव खाली नहीं, आबाद हों; युवा बेरोजगार नहीं, उद्यमी हों; किसान मजबूर नहीं, मजबूत हों; कारीगर उपेक्षित नहीं, सम्मानित हों; और शहर केवल उपभोक्ता नहीं, उत्पादक भी हों। निष्कर्ष : बेहतर भारत की शुरूआत बेहतर सोच से भारत के पास भूमि है, जलवायु की विविधता है, विशाल मानव संसाधन है, युवा शक्ति है, वैज्ञानिक प्रतिभा है, कृषि शक्ति है, परंपरागत ज्ञान है और विशाल बाजार है। जरूरत केवल इन शक्तियों को एक दिशा में जोड़ने की है। आत्मनिर्भर भारत कोई एक दिन में बनने वाली इमारत नहीं है। यह पीढ़ियों के परिश्रम से तैयार होने वाला राष्ट्रीय चरित्र है। इसके लिए किसान को आधुनिक बनाना होगा, विद्यार्थी को कुशल बनाना होगा, युवा को अवसर देना होगा, महिला को आर्थिक शक्ति देनी होगी, कारीगर को बाजार देना होगा, उद्योग को तकनीक देनी होगी और गांव को शहर से नहीं, अवसरों से जोड़ना होगा। हमें ऐसा भारत बनाना है जो केवल अपने लिए उत्पादन न करे, बल्कि दुनिया के लिए गुणवत्ता पैदा करे; केवल रोजगार न मांगे, बल्कि रोजगार दे; केवल तकनीक न खरीदे, बल्कि तकनीक बनाए; केवल बाजार न बने, बल्कि वैश्विक बाजार में नेतृत्व करे। तभी यह संकल्प सार्थक होगा—बेहतर से बेहतर बने भारत,

हर हाथ को मिले सम्मान।
गांव-शहर मिलकर बढ़ें आगे,
आत्मनिर्भर हो हिंदुस्तान।

आत्मनिर्भरता अंततः अर्थव्यवस्था का विषय भर नहीं है। यह आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय स्वाभिमान का विषय है। भारत यदि अपनी प्रतिभा, श्रम, संसाधन, विज्ञान और संस्कार को एक सूत्र में बांध ले तो कोई कारण नहीं कि आने वाला भारत आज के भारत से बेहतर न हो। बेहतर से बेहतर भारत—आत्मनिर्भर भारत। और आत्मनिर्भर भारत ही उस विकसित भारत की मजबूत नींव है, जिसका सपना आज हर भारतीय की आंखों में पल रहा है।

शिवदत्त 'अक्स' की पुस्तक अक्स-ए-गजल पर पुस्तक चर्चा का आयोजन संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। नीलांबरी फाऊंडेशन के बैनर गत दिनों ट्वेंटी डाउन-टाउन हाल,चर्चगेट स्टेशन के सामने, इरास सिनेमा बिल्डिंग में जाने माने शायर शिवदत्त 'अक्स' की पुस्तक अक्स-ए- गजल पर पुस्तक चर्चा का राजू बलवानी के स्थल पर रखी गई । जिसमें मुंबई शहर के बहुत से विद्वानों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की शुरूआत नीलांबरी फाऊंडेशन के सचिव व मिडिया प्रभारी लक्ष्मीकांत कमलनयन मिश्र ने किया यह कार्यक्रम प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय शायर डॉ सागर त्रिपाठी की अध्यक्षता में उत्कृष्ट रहा। वहीं प्रभावी वक्ताओं में मुंबई विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ करूणाशंकर उपाध्याय ने अपने बौद्धिक वक्तव्य से सभी को प्रभावित किया ।

तत्पश्चात एस.एन.डी.टी महाविद्यालय की प्राध्यापिका उषा अशोक ने अपने अंदाज में बहुत सुंदर वक्तव्य दिया इसी कड़ी में फिल्म लेखक तथा निर्देशक, शायर गुलशन मदान ने पुस्तक से शेर पढ़ते हुए अत्यंत प्रभावशाली ढंग से अपनी बात रखी।वहीं श्रोताओं पर मदान ने वक्तव्य से गहरी छाप छोड़ी तथा समान रूप से डॉ कृपाशंकर मिश्रा ने अपने मुक्तक के साथ श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया, जिसके बाद पुस्तक के लेखक शिवदत्त 'अक्स' ने अपनी बात कही तदनंतर संस्था की संस्थापक अध्यक्ष डॉ नीलिमा पाण्डेय ने पुस्तक से चुनिंदा गजलों का पाठ किया जिससे पूरा हाल प्रशंसा करते हुए झूम उठा।इस उत्कृष्ट आयोजन में कुछ विशिष्ट लोगों की उपस्थिति इस प्रकार थीः लक्ष्मी यादव 'तेजस्वीनी' समीरा दलवई, श्रीधर मिश्रा 'आत्मिक', डॉ ओमप्रकाश तिवारी, राजेश दूबे अल्हड़ असरदार, आनंद पाण्डेय 'केवल' डॉ प्रमोद पल्लवित, त्रिलोचन सिंह अरोरा,कवि पत्रकार रवि यादव, रामकुमार, गंगाशरण, पत्रकार यशपाल शर्मा,तोशेष शुक्ला,रामासरे यादव, शाहीनानिर्झरकर,विनायक शींदे, सूर्यकांत घोरपड़े,सूप्रिया यादव,रीटा भट, श्याम तिवारी तथा अन्य लोगों ने अपनी उपस्थित दर्ज करवाकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया ।

भारत की डीप-टेक कंपनी नव वायरलेस की बड़ी उपलब्धि

मुंबई। भारत की डीप-टेक कंपनी नव वायरलेस टेक्नोलोजीसने न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में अपनी क्षेत्रीय साझेदार 9Rayz के साथ मिलकर ऑकलैंड के वेटेमाटा हार्बर में फ्री-स्पेस ऑप्टिकल कम्युनिकेशन लिंक स्थापित किया है। यह उपलब्धि भारत में विकसित ऑप्टिकल वायरलेस कम्युनिकेशन टेक्नोलोजी के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वास्तविक परिस्थितियों में इस्तेमाल का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। इस तैनाती में भारत में विकसित तकनीक, 9Rayz की क्षेत्रीय स्तर पर इसे लागू करने की विशेषज्ञता और ध यूनिवर्सिटी ऑफ ऑकलैंड के शोधकताओं के साथ शोध सहयोग को एक साथ जोडा गया है। इससे नियंत्रित प्रयोगशाला परिस्थितियों से बाहर फ्री-स्पेस ऑप्टिकल कम्युनिकेशन के अध्ययन और उसे आगे विकसित करने के लिए एक वास्तविक वातावरण उपलब्ध हुआ है। FSOC तकनीक के माध्यम से वातावरण में प्रकाश की अत्यधिक दिशात्मक किरणों का इस्तेमाल करते हुए दो स्थानों के बीच बडी क्षमता में डेटा का आदान-प्रदान किया जा सकता है। इसके लिए दोनों स्थानों के बीच फिजिकल फाइबर केबल बिछाने की आवश्यकता नहीं होती। इस उपलब्धि पर नव वायरलेस टेक्नोलोजीस के सह-संस्थापक और सीटीओ हार्दिक सोनी ने कहा, यह तैनाती हमारे लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे यह साबित होता है कि भारत में विकसित टेक्नोलोजी अंतरराष्ट्रीय शोध विशेषज्ञता, क्षेत्रीय साझेदारों और वास्तविक दुनिया की कनेक्टिविटी जरूरतों के साथ मिलकर काम कर सकती है। भारत के पास इंजीनियरिंग और वैज्ञानिक क्षमताओं का मजबूत आधार है और हमारा उद्देश्य इस क्षमता को ऐसी बौद्धिक संपदा, प्रॉडक्ट्स और कम्युनिकेशन तकनीकों में बदलना है, जो वैश्विक स्तर पर उपयोगी साबित हों। उन्होंने आगे कहा, हमारा दृष्टिकोण भारत में नवाचार करने, वैश्विक स्तर पर सहयोग करने और ऐसी तकनीक विकसित करने का है, जो अलग-अलग बाजारों में कनेक्टिविटी से जुड़ी चुनौतियों का समाधान कर सके। यह टेक्नोलोजी ऐसे स्थानों के लिए तेजी से महत्वपूर्ण हो रही है, जहां पारंपरिक फाइबर नेटवर्क बिछाना मुश्किल, महंगा या अधिक समय लेने वाला हो सकता है। इनमें जलमार्ग, दूरदराज के क्षेत्र, दुर्गम भौगोलिक इलाके, अस्थायी नेटवर्क और ऐसे बुनियादी ढांचे शामिल हैं, जहां संचार व्यवस्था को और अधिक मजबूत और भरोसेमंद बनाने की जरूरत होती है। नव वायरलेस के लिए ऑकलैंड में की गई यह तैनाती भारत में विकसित ऑप्टिकल और फोटोनिक कम्युनिकेशन टेक्नोलोजीस को अंतरराष्ट्रीय बाजारों और अलग-अलग वास्तविक परिस्थितियों में अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का एक व्यापक अवसर प्रदान करती है। अहमदाबाद स्थित यह कंपनी भारत में फ्री-स्पेस ऑप्टिकल कम्युनिकेशन, LiFi/VLC और अगली पीढी की फोटोनिक कम्युनिकेशन टेक्नोलोजी का विकास कर रही है। इन टेक्नोलोजी का इस्तेमाल टेलिकम्युनिकेशन, उद्यमों की कनेक्टिविटी, दूरदराज के नेटवर्क, रक्षा और विशेष प्रकार की संचार आवश्यकताओं के लिए किया जा सकता है।

कैरेटलेन ने प्रणाली राठौड़ और आशय मिश्रा के साथ उत्तर प्रदेश और बिहार में बिखेरे तीज के रंग

मुंबई/पटना। उत्तर प्रदेश और बिहार में तीज का त्योहार बहुत उल्लास और उमंग के साथ मनाया जाता है। इस खास मौके पर अपनों को तोहफे देना इस जश्न का सबसे अहम हिस्सा है। इसी खुशी को दोगुना करने के लिए टाटा के ज्वेलरी ब्रांड 'कैरेटलेन' ने एक बेहद प्यारा कैंपेन शुरू किया है। खास तौर पर इसी क्षेत्र के दर्शकों के लिए बनाए गए इस कैंपेन में टीवी के मशहूर कलाकार प्रणाली राठौड़ और आशय मिश्रा नजर आ रहे हैं। यह नया कैंपेन एक पति-पत्नी के खूबसूरत रिश्ते और तीज पर एक-दूसरे को सरप्राइज देने की खुशी को शानदार ढंग से दिखाता है। इस कैंपेन की कहानी में आशय मिश्रा, प्रणाली राठौड़ को तीज के मौके पर कैरेटलेन का एक खास तोहफा देकर सरप्राइज करते हैं। हिंदी भाषी क्षेत्रों के टीवी दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय इस जोड़ी की शानदार और सहज केमिस्ट्री एक सीधी-सी बात को बयान करती है—कि तीज पर दिया जाने वाला तोहफा केवल एक उपहार नहीं, बल्कि दिल से की गई परवाह का प्रतीक है। स्क्रीन पर पति-पत्नी के रूप में उनकी यह केमिस्ट्री कैरेटलेन को रोजमर्रा के प्यार के अहसासों से जुड़ी एक खूबसूरत कहानी दिखाने का मौका देती है।

न्यायधीशों, शिक्षाविदों और अर्थशास्त्रियों ने सर्वसम्मति से एक देश, एक चुनाव का किया समर्थन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। ज्यूरिस्ट्स फॉर जस्टिस फाउंडेशन की ओर से आयोजित एक देश, एक चुनाव विषय पर राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस में पूर्व उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति, वरिष्ठ अधिवक्ता, शिक्षाविद, अर्थशास्त्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों सहित लगभग 50 प्रतिष्ठित लोगों ने भाग लिया। देशभर में एक साथ चुनाव कराने की अवधारणा के लाभ तथा इसके लिए आवश्यक संवैधानिक, प्रशासनिक, न्यायिक और आर्थिक ढांचे के विभिन्न पहलुओं पर इस अवसर पर विस्तृत चर्चा की गई। सम्मेलन में एक देश, एक चुनाव के समर्थन में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता और उपस्थित वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद ज्यूरिस्ट्स फॉर जस्टिस फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री उमेश कुमार सिरोही ने स्वागत भाषण दिया और सम्मेलन के उद्देश्य, विषय तथा प्रमुख लक्ष्यों को स्पष्ट किया। इसके पश्चात सभी गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया। सम्मेलन के मुख्य विषय को दिशा देने वाला मुख्य वक्तव्य प्रो. प्रितेश आर्टे ने दिया। इसके बाद मुख्य राउंड टेबल चर्चा की शुरूआत हुई। इसमें आठ गणमान्य वक्ताओं ने अपने-अपने व्यावसायिक एवं विशेषज्ञता के दृष्टिकोण से एक देश, एक चुनाव के समर्थन में अपने विचार रखे।

पूर्व न्यायमूर्ति बी. पी. देशपांडे ने एक साथ चुनाव के संवैधानिक पहलुओं पर प्रकाश डाला।पूर्व जिला न्यायाधीश श्रीमती मीराताई खडक्कर ने एक देश, एक चुनाव के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया।वरिष्ठ

अधिवक्ता अनिल सिंह, भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने इसके क्रियान्वयन के व्यावहारिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए एक साथ चुनाव का समर्थन किया। अविनाश धर्माधिकारी, पूर्व सहायक पुलिस आयुक्त ने बार-बार होने वाले चुनावों के कारण पुलिस व्यवस्था पर पड़ने वाले अतिरिक्त दबाव की समीक्षा की और स्पष्ट किया कि एक देश, एक चुनाव से इस दबाव को कम करने में सहायता मिल सकती है। रवि पानी, चार्टर्ड अकाउंटेंट ने एक देश, एक चुनाव के आर्थिक और वित्तीय लाभों को रेखांकित किया। प्रो. अधिवक्ता दीपक परमार, बौद्धिक संपदा अधिकार विषय के विशेषज्ञ, ने एक देश, एक चुनाव के व्यापक लाभों को स्पष्ट करते हुए इसके IPR क्षेत्र से संबंध को रेखांकित किया। नागेश वी. न्हवकर, पूर्व प्रधान जिला न्यायाधीश तथा महाराष्ट्र राज्य विशेष सार्वजनिक सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के वर्तमान सदस्य, एक देश, एक चुनाव को अपनाने के संवैधानिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। श्रीमती चंदा नथानी, पूर्व जिला न्यायाधीश ने भी इस प्रस्ताव के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, महाराष्ट्र सरकार के कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार विभाग के कैबिनेट मंत्री तथा मुंबई के मलबार हिल विधानसभा क्षेत्र के विधायक मंगल प्रभात लोढ़ा ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए एक देश, एक चुनाव के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव होने से प्रशासन की कार्यक्षमता और देश के विकास को बड़े पैमाने पर गति मिलेगी तथा देश की राजनीतिक व्यवस्था में अधिक प्रभावशीलता आएगी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे प्राचीन लोकतंत्र वाला देश है। एक देश, एक चुनाव के प्रस्ताव से सरकार की कार्यक्षमता बढ़ेगी और देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और मजबूती मिलेगी। इसलिए यह देशहित में अत्यंत लाभकारी प्रस्ताव है। इसके बाद उपस्थित प्रतिनिधियों को अपने विचार रखने का अवसर दिया गया। चर्चा के दौरान कुछ मतभिन्न विचार भी सामने आए, हालांकि राउंड टेबल में एक देश, एक चुनाव के पक्ष में व्यापक सहमति बनी। इसके पश्चात प्रस्ताव का मसुदा प्रस्तुत किया गया। आवश्यक स्पष्टीकरणों के बाद एक देश, एक चुनाव के समर्थन में यह प्रस्ताव औपचारिक रूप से पारित किया गया।

स्विगी की 'फूड ऑन ट्रेन' सेवा ने 2 वर्षों में दर्ज की 12 गुना बढ़त: नेटवर्क 201 स्टेशनों तक पहुंचा

मुंबई। भारत के अग्रणी ऑन-डिमांड सुविधा प्लेटफॉर्म स्विगी (स्विगी लिमिटेड, एनएसईः SWIGGY / बीएसईः 544285) ने आज घोषणा की कि उसकी 'फूड ऑन ट्रेन' पेशकश पिछले 2 वर्षों (अगस्त 2024 से अगस्त 2026) में 12 गुना बढ़ी है, जिसमें टियर-2 और 3 बाजारों में इसे अपनाने की रफ्तार मेट्रो शहरों की तुलना में दोगुनी तेजी से रही है। इसके अतिरिक्त, स्विगी ने अपनी फूड ऑन ट्रेन सेवा का विस्तार 201 स्टेशनों तक कर दिया है, जो 2024 में 66 थी। स्विगी ने यात्रा के दौरान ऑर्डर करने की प्रक्रिया को अधिक तेज और सहज बनाने के लिए दो नए प्रोडक्ट फीचर्स भी लॉन्च किए हैं। पहला है 'सर्च बाय ट्रेन', जो उपयोगकताओं को सामान्य रेस्टोरेंट फि ल्टरिंग को छोड़कर केवल अपना ट्रेन नंबर या ट्रेन का नाम टाइप करने की अनुमति देता है, जिससे वे तुरंत अपने विशिष्ट रूट और शेड्यूल के अनुसार मैप किए गए भोजन विकल्पों को देख सकते हैं। इसके अलावा, नया लॉन्च किया गया '99 स्टोर विजेट' ऐप पर एक समर्पित हब है, जो यात्रियों को बजट-अनुकूल भोजन विकल्पों पर तेजी से नेविगेट करने की सुविधा देता है, जिससे लंबी यात्राओं में किफायती भोजन चुनना बेहद आसान हो जाता है।

स्विगी ने ट्रेन यात्रियों की बदलती खान-पान की आदतों से जुड़े दिलचस्प ट्रेंड्स भी साझा किए। सिर्फ एक साल के भीतर, यात्रियों ने फास्ट फूड और कार्बोनेटेड ड्रिंक्स से हटकर स्वास्थ्यवर्धक और ताजगी भरे विकल्पों को अपनाया है। पिछले साल की तुलना में, यात्री लस्सी (+60%), छाछ (+40%), और मोजितो (+90%) जैसे पारंपरिक और ताजगी देने वाले पेय पदार्थों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

अकेली माँ की निराश्रित बच्चियों की मदद का दूसरा कार्यक्रम संपन्न

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बोईसर के चिराग विद्यालय में हुआ आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत अकेली माताओं की निराश्रित बेटियों की शिक्षा एवं भविष्य संवारने के उद्देश्य से आईपीसी की ओर से आयोजित दूसरे कार्यक्रम का आयोजन रविवार 30 अगस्त को बोईसर स्थित चिराग विद्यालय में किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंद बेटियों की पढ़ाई में सहयोग करने तथा उनके सम्मान और सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आईपीसी के संरक्षक डॉ. ओम प्रकाश दुबे ने अकेली माताओं की बेटियों की शिक्षा में मदद करने की पहल की सराहना की। उन्होंने इस पुनीत कार्य में स्वयं भी सहयोग करने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर पुष्पा तिवारी को शाल, श्रीफल

एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि दयाराम मिश्र तथा विशेष अतिथि एवं आईपीसी के वरिष्ठ सहयोगी समीर वर्तक ने जरूरतमंद माताओं एवं उनके परिवारों की हरसंभव सहायता जारी रखने की बात कही। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में विप्र फाउंडेशन प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे, एडवोकेट रविंद्र मिश्र, मनोज मिश्र एवं विद्या राजपूत ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

आयोजन को सफल बनाने में आईपीसी के महासचिव कृष्णा पाण्डेय, सचिव ऋषिकेश मिश्र, कोषाध्यक्ष बृजेश पाण्डेय तथा मुंबई महिला उपाध्यक्ष सुमन सिंह ने करीब एक महीने तक अथक प्रयास करते हुए महत्वपूर्ण योगदान दिया। जौनपुर से विशेष रूप से पहुंचे आईपीसी के आजीवन सदस्य डॉ. सूफी खान ने बेटियों की सुरक्षा के उपायों पर अपने विचार रखे। उन्होंने अपने संबोधन में सनातन धर्म तथा धार्मिक शिक्षा को लेकर भी अपनी राय व्यक्त की। मुख्य वक्ता एवं आईपीसी की ठाणे महिला अध्यक्षा रानी गुप्ता ने सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद बेटियों तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने 1,000 बेटियों को कन्यादान संबंधी सरकारी योजना से जोड़कर उनकी शिक्षा एवं विवाह को आर्थिक रूप से सहयोग देने की बात दोहराई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

सरदार शहर नागरिक संघ मुंबई द्वारा कांदिवली में राजस्थानी संस्कृति के रंग में रंगा सावन रा सिनारा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सरदारशहर नागरिक संघ-मुंबई की ओर से कांदिवली में सावन रा सिनारा का भव्य आयोजन किया गया। राजस्थानी संस्कृति, परंपरा, संगीत और आधुनिकता के संगम से सजी इस शाम में 800 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम संघ के अध्यक्ष चंद्ररतन दूगड़, उपाध्यक्ष पूनम बरड़िया, चंद्र प्रकाश सुराणा, धनपत सेठिया एवं राजकरण डागा, सचिव संदीप सेठिया तथा कोषाध्यक्ष संदीप मिन्नी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की थीम रेट्रो-टू-रॉयल रही। मंच संचालन रूप सिंह गौठी ने किया, जबकि एंकर नेहा जैन ने अपनी शानदार प्रस्तुति से दर्शकों का मनोरंजन किया। महिलाओं के लिए मेहंदी एवं नेल आर्ट स्टॉल विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। रंग-बिरंगे राजस्थानी परिधानों और सांस्कृतिक माहौल ने कार्यक्रम में राजस्थान की झलक प्रस्तुत की। इस दौरान महिला समिति (2026) के नव-नियुक्त सदस्यों प्रेम बरड़िया, संगीता नाहटा, सुषमा बैद, प्रतिमा पिंचा, मोनिका बछावत, राजश्री मिन्नी, अंकिता सेठिया, राखी सुराणा एवं रश्मि सेठिया का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सह-सचिव मनोज बुचा एवं करणेश श्यामसुखा, संगठन सचिव स्नेह दूगड़ एवं बजरंग दूगड़, मीडिया सचिव विशाल नाहटा एवं राजेंद्र स्वामी सहित कार्यकारिणी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। 'सावन रा सिनारा ने राजस्थानी संस्कृति और परंपराओं को जीवंत करने के साथ समाज में भाईचारे, सहभागिता और एकजुटता की भावना को मजबूत किया।

विश्व यादव संघ की मासिक बैठक में समाज को संगठित व सशक्त बनाने पर मंथन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। विश्व यादव संघ की केंद्रीय कार्यकारिणी एवं शुभचिंतकों की मासिक बैठक रविवार, 30 अगस्त 2026 को मुलुंड (पश्चिम), मुंबई स्थित श्री मुलुंड नागरिक सभागृह में उत्साहपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं समाज के शुभचिंतकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक के दौरान यादव समाज को अधिक संगठित एवं मजबूत बनाने के साथ-साथ शादी-विवाह, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, युवा एवं महिला सशक्तिकरण सहित विभिन्न सामाजिक विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। पदाधिकारियों ने समाज के जरूरतमंद परिवारों तक संगठन की सहायता एवं सामाजिक गतिविधियों का लाभ पहुंचाने पर भी जोर दिया। उपस्थित पदाधिकारियों ने संगठन के सामाजिक कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा समाज के प्रत्येक परिवार को संगठन से जोड़ने का संकल्प लिया। बैठक में सामाजिक एकता, आपसी सहयोग और समाजहित में निरंतर कार्य करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में संस्थापक अध्यक्ष मोतीलाल यादव, राष्ट्रीय सचिव सुरेश चंद्रबदन यादव, कार्याध्यक्ष रामझलक यादव, कोषाध्यक्ष रणविजय यादव, संगठन समिति अध्यक्ष ईश्वर यादव, सहायता समिति अध्यक्ष पारसनाथ यादव, ईशान्य मुंबई अध्यक्ष सुदर्शन यादव, ईशान्य मुंबई महिला अध्यक्षा दमयन्ती यादव, मुलुंड अध्यक्ष राजेश यादव, बायकुला अध्यक्ष यशवंत यादव, कल्याण ग्रामीण अध्यक्ष रमेशचंद यादव, कल्याण शहर अध्यक्ष मनोज यादव, वडाला अध्यक्ष विनोद यादव, उल्हासनगर अध्यक्ष संजय यादव, अंबरनाथ अध्यक्ष अरविंद यादव, कोलाबा अध्यक्ष सुभाष यादव एवं पालघर अध्यक्ष गुलाबचंद यादव सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। इसके अलावा विजय यादव, वसंत राज यादव, सुरेश यादव, राजेश यादव, कमलेश यादव, शेषमणि यादव, शैलेन्द्र यादव, प्रकाश चंद यादव, राकेश यादव, परमा यादव, महेन्द्र यादव, सिद्धराम यादव, समशेर यादव आदि समाजसेवी एवं शुभचिंतकों ने भी बैठक में सहभागिता की।

पांजरापोल स्थित शनि मंदिर के सामने सड़क पर नए स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग

- हादसों को रोकने के लिए नागरिकों की मांग; स्पीड ब्रेकर पर सफेद पट्टियां और रेडियम लगाने का भी सुझाव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चेंबूर-पांजरापोल मार्ग से वडाला और मुंबई की ओर जाने वाली सड़कों पर लगातार हो रहे हादसों को देखते हुए वाहनों की गति नियंत्रित करने के लिए पांजरापोल स्थित शनि मंदिर के सामने की सड़क पर रेडियम सहित नया स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग स्थानीय नागरिकों ने की है।

नागरिकों के अनुसार, शनि मंदिर के सामने सड़क पर मौजूद पुराना स्पीड ब्रेकर खराब हो चुका है। इसलिए उसकी जगह नया स्पीड ब्रेकर लगाया जाना आवश्यक है। इस मार्ग से आसपास की बस्तियों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शनि मंदिर में दर्शन के लिए आते-जाते हैं। ऐसे में यहां वाहनों की गति कम कर पैदल

यात्रियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देना जरूरी है।

स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि नया स्पीड ब्रेकर रेडियम सहित लगाया जाए और उस पर स्पष्ट सफेद पट्टियां (रंबल मार्किंग) की जाएं, ताकि वाहन चालकों को दूर से ही स्पीड ब्रेकर दिखाई दे और वे समय रहते वाहनों की गति कम कर सकें। रात के समय इसकी दृश्यता बढ़ाने के लिए रेडियम लगाना भी आवश्यक बताया गया है।

इसके अलावा, शनि मंदिर के पीछे की सड़क पर भी वाहन तेज गति से चलते हैं। इसलिए वहां भी स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग की गई है। नागरिकों ने संबंधित प्रशासन से इस पूरे परिसर का तत्काल निरीक्षण कर आवश्यक सुरक्षा उपाय करने की मांग की है। श्रद्धालुओं, पैदल यात्रियों और स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा के मद्देनजर शनि मंदिर परिसर के दोनों मार्गों पर नए स्पीड ब्रेकर लगाए जाएं, उन पर उचित सफेद पट्टियां की जाएं और रात के समय स्पष्ट दिखाई देने के लिए रेडियम लगाया जाए, ऐसी मांग जोर पकड़ रही है।

कुणबी समाजोन्नति संघ द्वारा स्त्री शक्ति का प्रेरणादायी उत्सव श्रावण महोत्सव आयोजित

90 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं का किया गया सम्मान

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। कुणबी समाजोन्नति संघ, पालघर की ओर से श्रावण महोत्सव एवं महिला सम्मेलन का आयोजन शनिवार 30 अगस्त 2026 को पालघर शहर के लोकमान्य नगर सभागृह में उत्साहपूर्वक किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत ध्वजारोहण, दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती का पूजन करके की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संघ के अध्यक्ष मनोज चिंतामण घरत ने कहा कि समाज की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से महिला मंडल की स्थापना के साथ बचत समूहों का गठन किया जाना चाहिए। इससे महिलाओं का आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तीकरण होगा। इसी उद्देश्य को केंद्र में रखकर महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चंद्रकांत घरत, जगदीश घरत, पांडुरंग घरत एवं गणेश घरत ने श्रावण माह के सांस्कृतिक महत्व तथा महिला सशक्तीकरण सहित विभिन्न विषयों पर अपने-अपने विचार व्यक्त किये। वक्ताओं ने समाज में एकता, संस्कृति के संरक्षण और महिलाओं के सशक्तीकरण के

लिए ऐसे आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में एकता ही पहचान, संस्कार हमारा अभिमान और कुणबी समाज का विकास ही हमारा ध्येय का संदेश दिया गया।

महिला सम्मेलन के दौरान 90 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं का शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट कर सम्मान किया गया। सम्मानित महिलाओं में मथुरा मोरेश्वर घरत (सरावली), वेणुबाई बारकू घरत (बेटेगांव), लक्ष्मीबाई अनंत पाटील (नवली), लक्ष्मीबाई चिंतामण घरत (नवली), पद्मिनी मुकुंद घरत (जांबूखांडे), वेणूबाई बाबाजी घरत (बेटेगांव), नर्मदा नारायण घरत (दहिसर), पार्वती ठक्या घरत (दहिसर), सीताबाई शिवाजी राऊत (पास्थल), पार्वती पांडुरंग घरत (काटाले) तथा पद्मिनी ठकसेन घरत (धनसार) का समावेश रहा।

श्रावण महोत्सव के अंतर्गत मंगलागौर पूजन, हल्दी-कुंकू, पारंपरिक खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, काव्य पाठ, श्रावण गीत, भक्ति गीत, गायन, नृत्य, लेझीम, पारंपरिक वेशभूषा, मायबोली प्रस्तुतिकरण तथा योग प्रदर्शन सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। आयोजन में महिलाओं द्वारा स्वयं तैयार की गई हस्तकला एवं घरेलू उत्पादों के स्टॉल भी लगाये गये। इनमें घरेलू मसाले, ज्वेलरी,

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

समान कानून की मांग को लेकर सवर्ण आर्मी का हुंकार, डीएम को सौंपा ज्ञापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। देश में समान कानून और सभी नागरिकों को समान अधिकार दिए जाने की मांग को लेकर सवर्ण आर्मी ने सोमवार को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने केंद्र व प्रदेश सरकार से संविधान में निहित समानता के सिद्धांत को मजबूत करने तथा कानून के समान संरक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग उठाई।

सवर्ण आर्मी की ओर से दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि सभी नागरिकों को संविधान प्रदत्त समानता एवं मौलिक अधिकार प्राप्त हैं। संगठन ने मांग की कि आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा कर आर्थिक स्थिति तथा वास्तविक सामाजिक-शैक्षिक पिछड़ेपन जैसे पारदर्शी मानकों को भी आधार बनाया जाए।

ज्ञापन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के वर्ष 2026 के नए नियमों की समीक्षा करने की मांग भी की गई। संगठन ने कहा कि ऐसे प्रावधानों पर पुनर्विचार होना चाहिए, जिन्हें जनहित और समानता की कसौटी पर उचित नहीं पाया जाता है।

इसके अलावा एससी/एसटी एक्ट के तहत दर्ज मामलों के अधिकृत एवं सत्यापित आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग की गई। संगठन ने मामलों के अंतिम न्यायिक परिणाम, दोषमुक्त हुए आरोपियों की

संख्या तथा न्यायालय द्वारा आरोप निराधार पाए जाने वाले मामलों से संबंधित जानकारी पारदर्शी रूप से उपलब्ध कराने की मांग रखी।

सवर्ण आर्मी ने कानूनों के कथित दुरुपयोग की संभावना रोकने के लिए निष्पक्ष जांच और उचित सुरक्षा प्रावधान सुनिश्चित करने की मांग की। साथ ही सभी जाति एवं धर्म के नागरिकों को समान अधिकार, सम्मान और न्याय उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

ज्ञापन में संबंधित कानूनों की समय-समय पर निष्पक्ष समीक्षा और आवश्यकता पड़ने पर संवैधानिक प्रक्रिया के तहत संशोधन किए जाने की मांग भी शामिल रही। संगठन ने सवर्ण समाज की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक समस्याओं के अध्ययन और समाधान के लिए सवर्ण आयोग के गठन पर विचार करने की मांग उठाई। संगठन ने जिलाधिकारी से अनुरोध किया कि ज्ञापन को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री तथा वक्ष्छ अध्यक्ष तक उचित माध्यम से भेजते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए।

स्वर्ण जयंती वर्ष में ऐतिहासिक होगा गीतांजलि का 50वां शक्ति पूजन पर्व

नवरात्र महोत्सव को भव्य एवं विशेष स्वरूप देने पर हुआ मंथन, तीन नए सदस्यों का हुआ स्वागत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रचनात्मक एवं सामाजिक परिवार गीतांजलि जौनपुर के स्वर्ण जयंती वर्ष में आयोजित होने वाले 50वें शक्ति पूजन पर्व को भव्य और यादगार बनाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में बाबा श्री जागेश्वर नाथ मंदिर स्थित गीतांजलि पूजा मंडप में संस्था की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संस्था के सदस्य संतोष कुमार अग्रहरी ने की।

बैठक में आगामी शारदीय नवरात्र महोत्सव, पूजन मंडप, शोभायात्रा, विद्युत सजावट सहित विभिन्न तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। संस्था के सदस्यों ने आयोजन को और आकर्षक एवं भव्य बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए। स्वर्ण जयंती वर्ष होने के कारण इस बार के 50वें शक्ति पूजन पर्व को विशेष स्वरूप देने पर सदस्यों ने गहन मंथन किया।

बैठक के दौरान परिवार के कोषाध्यक्ष पवन सोनी ने संस्था का आय-व्यय प्रस्तुत किया। वहीं गीतांजलि परिवार के विस्तार की दिशा में तीन नए सदस्यों का आगमन हुआ। इनमें सनी शर्मा एडवोकेट, हनुमान घाट, धीरेंद्र सिंह चौहान, सिद्दिकपुर तथा अभिषेक सेठ गोल्डी, सब्जी बाजार शामिल हैं। संस्था के पदाधिकारियों ने तीनों नवागत सदस्यों का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र पहनाकर करतल ध्वनि के बीच स्वागत और अभिनंदन किया।

संस्था अध्यक्ष नीरज शाह ने सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं नवागत सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि गीतांजलि परिवार का 50वां शक्ति पूजन पर्व स्वर्ण जयंती वर्ष के कारण बेहद महत्वपूर्ण है। इसे यादगार बनाने के लिए सभी

सदस्यों की सहभागिता और सहयोग आवश्यक है।

बैठक में मार्गदर्शक मंडल के सदस्य चंद्र प्रताप सोनी, शशि श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष डॉ. ब्रहोश शुक्ला, गौतम सोनी और राम प्रताप सोनी ने भी आगामी नवरात्र महोत्सव को लेकर अपने विचार और महत्वपूर्ण सुझाव रखे।

इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश सोनी, सुरेश चंद गुप्ता, रमेश चंद पांडेय, प्रमोद कुमार गुप्ता, सुनील कुमार शाह, धर्मसेन सिंह, अमन सहगल, अशोक मौर्य, अमित सोनी, दिवेश साहू, संदीप सोनी, अमित सैनी, रूपनारायण माली (कार्यक्रम संयोजक), धनंजय पाठक, रमन सेठ, कदम साहू, उत्कर्ष शाह, संतोष साहू, विनय सोनी, प्रदीप साहू सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक का सफल संचालन परिवार के महासचिव रामानंद विश्वकर्मा ने किया। अंत में संस्था के वरिष्ठ सदस्य डॉ. प्रेम दर्शन विश्वकर्मा की माता के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई।

कुलपति ने हास्टल के छात्राओं संग किया भोजन

मेस की थाली में परखी खाने की गुणवत्ता, महिला छात्रावासों का निरीक्षण कर देखी व्यवस्थाए

◆ विद्यार्थियों के पठन-पाठन और सुविधाओं की भी ली जानकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर स्थित

महिला छात्रावासों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मीराबाई छात्रावास में छात्राओं के साथ बैठकर भोजन किया और खुद भोजन की गुणवत्ता को परखा। कुलपति के छात्राओं के साथ भोजन करने से छात्राओं में भी उत्साह देखने को मिला।

भोजन के दौरान कुलपति ने छात्राओं से छात्रावास में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने उनके पठन-पाठन, अध्ययन के माहौल तथा छात्रावास में आने वाली समस्याओं के बारे में भी पूछा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है।

कुलपति ने छात्रावास की विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों एवं वार्डन को निर्देश दिया कि छात्राओं को उपलब्ध कराई जाने वाली सभी सुविधाएं उच्च गुणवत्ता की होनी चाहिए। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता के साथ-साथ साफ-सफाई, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा।

उन्होंने छात्रावास में आने वाले अभिभावकों के लिए निर्धारित कक्ष में एसी लगवाने के भी निर्देश दिए, ताकि वहां आने वाले अभिभावकों को बेहतर सुविधा मिल सके।

कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने कहा कि छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण के साथ सुविधाजनक, स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि छात्राओं की सुविधाओं और उनकी आवश्यकताओं का लगातार ध्यान रखा जाना चाहिए।

इस अवसर पर कुलपति ने द्रौपदी, मीराबाई एवं रानी लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास की वार्डन डॉ. कृष्णा सिंह, डॉ. निमिषा यादव एवं डॉ. जया शुक्ला से छात्रावासों की व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस अवसर पर चीफ वार्डन प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. गिरधर मिश्र, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. वनिता सिंह एवं डॉ. श्वेता पांडेय उपस्थित रहीं।

दो लापता युवकों में से पीली नदी में उतराया मिला एक का शव; दूसरे की तलाश में जुटी पुलिस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सिंगरामऊ क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर से लापता दो युवकों में से एक का शव सोमवार सुबह पीली नदी में उतराता मिला। इससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि शुक्रवार शाम मोटरसाइकिल पुल के पास पुलिस को दोनों युवकों के संबंध में अहम सुराग मिला था। इसके बाद से ही उनकी तलाश की जा रही थी।

जानकारी के अनुसार ग्राम मल्लूपुर गनौली निवासी गोरखनाथ पुत्र रामआसरे (24) और ग्राम बछाड़ी तियरा निवासी मोनू पुत्र रामकुमार (26) शुक्रवार 28 अगस्त की दोपहर करीब तीन बजे से लापता थे। परिजन और ग्रामीण दोनों युवकों की लगातार तलाश कर रहे थे।

सोमवार सुबह पीली नदी में ग्रामीणों ने एक युवक का शव उतराता देखा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाया। शव की पहचान गोरखनाथ के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी।

सूचना मिलने पर उपजिलाधिकारी बदलापुर भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। वहीं दूसरे लापता युवक मोनू की तलाश में पुलिस नदी और आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन कर रही है।

दोनों युवक पीली नदी तक कैसे पहुंचे और गोरखनाथ की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसे लेकर पुलिस जांच में जुटी है। दूसरे युवक की तलाश के लिए भी पुलिस लगातार अभियान चला रही है।

बच्चे के हाथ में रिवॉल्वर थमाकर रील बनाने का वीडियो वायरल

सरायख्वाजा थाना क्षेत्र में हथियार के साथ रील बनाने का मामला, जांच में जुटी पुलिस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जंगीपुर कला व खुर्द इलाके का बताया जा रहा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक युवक छोटे बच्चे के साथ नजर आ रहा है और बच्चे के हाथ में रिवॉल्वर दिखाई दे रही है। हथियार के साथ रील बनाए जाने को लेकर वीडियो चर्चा का विषय बना हुआ है।

बताया जा रहा है कि वीडियो में आयान नामक युवक बच्चे के साथ रिवॉल्वर लेकर रील बनाता नजर आ रहा है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे लेकर सवाल उठाए हैं। खासकर छोटे बच्चे के हाथ में हथियार दिए जाने को लेकर लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। वायरल वीडियो की जानकारी पुलिस तक पहुंचने के बाद मामले को लेकर जांच शुरू होने की बात सामने आ रही है। पुलिस वीडियो की सत्यता, उसमें दिखाई दे रहे व्यक्तियों और हथियार के संबंध में जानकारी जुटा रही है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि रिवॉल्वर वास्तविक है या किसी अन्य वस्तु का इस्तेमाल किया गया है तथा हथियार किसके नाम पर है। फिलहाल सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को लेकर क्षेत्र में चचाओं का बाजार गर्म है। पुलिस जांच के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट होगी।

पांच एसडीएम के कार्यक्षेत्र बदले, डीएम ने जारी किया तबादला आदेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले की प्रशासनिक व्यवस्था में सोमवार को बड़ा फेरबदल किया गया। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने पांच उपजिलाधिकारियों (एसडीएम) के कार्यक्षेत्र में बदलाव करते हुए तबादला आदेश जारी किया है। प्रशासनिक कामकाज को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

जारी आदेश के अनुसार शुभांशु कटियार को एसडीएम मछलीशहर की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं अजय कुमार उपाध्याय को एसडीएम मड़ियाहूं बनाया गया है। इसके अलावा नवीन कुमार को एडीएम प्रथम, जौनपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शिव प्रताप को एसडीएम न्यायिक, जौनपुर के पद पर तैनात किया गया है। वहीं मो. अमान बदलापुर में एसडीएम के पद पर कार्यरत रहते हुए एसडीएम न्यायिक का अतिरिक्त कार्यभार भी संभालेंगे। प्रशासनिक स्तर पर हुए इस फेरबदल को जिले में राजस्व एवं न्यायिक कार्यों के बेहतर संचालन से जोड़कर देखा जा रहा है।

जिला कारागार पहुंचे डीएम-एसपी, बैरकों से पाकशाला तक परखी व्यवस्थाएं

बंदियों से स्वास्थ्य और सुविधाओं की ली जानकारी, स्वच्छ भोजन व बेहतर चिकित्सा व्यवस्था के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. एवं पुलिस अधीक्षक अनुपम सिंह ने सोमवार को जिला कारागार का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने कारागार की सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। डीएम-एसपी ने विभिन्न बैरकों, कारागार अस्पताल, पाकशाला सहित अन्य स्थानों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की स्थिति परखी।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जिला कारागार अस्पताल में भर्ती बंदियों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य एवं उपचार की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं का जायजा लेते हुए संबंधित चिकित्सकों एवं कारागार प्रशासन को बंदियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इसके बाद डीएम और एसपी ने पाकशाला का निरीक्षण किया। यहां बंदियों के लिए तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई और भोजन तैयार करने की प्रक्रिया को देखा। अधिकारियों ने भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने तथा बंदियों को मानकों के अनुरूप पौष्टिक एवं स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने कारागार परिसर में साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने को कहा।

डीएम और एसपी ने कारागार प्रशासन को निर्देशित किया कि बंदियों की सुरक्षा के साथ उनकी मूलभूत सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। निरीक्षण के दौरान कारागार प्रशासन एवं पुलिस विभाग के संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

वरिष्ठ पत्रकार रविन्द्र नाथ श्रीवास्तव के निधन से पत्रकारिता जगत में शोक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पत्रकार एवं शान्ति संसार के सम्पादक रविन्द्र नाथ श्रीवास्तव (73) के निधन से पत्रकारिता जगत में शोक की लहर दौड़ गई। रविवार को सम्पादक मण्डल उत्तर प्रदेश की जनपद इकाई की ओर से कैम्प कार्यालय पर शोकसभा आयोजित कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी गई।

अध्यक्ष राकेशकान्त पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित शोकसभा में उपस्थित सम्पादकों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। वक्ताओं ने कहा कि श्री श्रीवास्तव का निधन अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। उनके निधन से पत्रकारिता जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई और लंबे समय तक पत्रकारिता की सेवा की।

वक्ताओं ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा

कि दुख की इस घड़ी में ईश्वर परिजनों को इस अपार कष्ट को सहने की शक्ति प्रदान करें। शोकसभा का संचालन महासचिव डॉ. नौशाद अली ने किया। इस दौरान सम्पादक मण्डल के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

इसी क्रम में गोमती जर्नलिस्ट एसोसिएशन की ओर से भी शोकसभा आयोजित कर श्री श्रीवास्तव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। पत्रकारों ने कहा कि उनका निधन जौनपुर की पत्रकारिता के लिए बड़ी क्षति है। शोकसभा में पत्रकार, छायाकार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

इसके अलावा विभिन्न पत्रकार संगठनों की ओर से भी जगह-जगह शोकसभा आयोजित कर दिवंगत पत्रकार को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। लोगों ने उनके व्यक्तित्व एवं पत्रकारिता में योगदान को याद करते हुए परिजनों के प्रति संवेदना जताई।

बता दें कि रविन्द्र नाथ श्रीवास्तव का गत दिवस हृदय गति रुकने से निधन हो गया था। उनका अंतिम संस्कार नगर के रामघाट पर किया गया, जहां उनके एकमात्र पुत्र शिवम श्रीवास्तव ने मुखाग्नि दी।

बरेका में 12 सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों को भावभीनी विदाई, महाप्रबंधक ने दिया स्वस्थ जीवन का संदेश

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के बनारस रेल इंजन कारखाना में अगस्त 2026 में सेवानिवृत्त हुए दो

अधिकारियों और दस कर्मचारियों के सम्मान में प्रशासन भवन के कीर्ति कक्ष में विदाई समारोह आयोजित हुआ। अध्यक्षता महाप्रबंधक आशुतोष पंत ने की और सभी को माल्यार्पण कर सेवानिवृत्ति फोल्डर प्रदान किया।अपने संबोधन में महाप्रबंधक ने कहा कि सेवानिवृत्ति नौकरी से विदाई है, जीवन से नहीं। यह जीवन के नए सार्थक अध्याय की शुरूआत है। उन्होंने स्वस्थ जीवन, वित्तीय प्रबंधन, परिवार और सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहने, सकारात्मक सोच और आध्यात्मिक चेतना का संदेश दिया।इस अवसर पर सेवानिवृत्त वरिष्ठ सुरक्षा आयुक्त संजय पीसे और सहायक वित्त सलाहकार रमा शंकर जायसवाल सहित अन्य ने अपने अनुभव साझा किए। प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर विवेक शील ने ध्यान और स्वाध्याय पर जोर दिया। प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर मनीष कुमार और प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी लालजी चौधरी ने भी संबोधित किया। चिकित्सा अधिकारी अब्दुल माबूद ने स्वास्थ्य देखभाल की सलाह दी। एसबीआई की रिचा त्रिपाठी और बैंक ऑफ बड़ौदा के दिनेश कुमार ने वित्तीय सुरक्षा और साइबर सुरक्षा की जानकारी दी।सेवानिवृत्त होने वालों में विनोद कुमार सिंह, धर्मशीला देवी, राजाराम, देवानंद देव पांडेय, संजू सिन्हा, फूला देवी, शशि भूषण, नय्यर आजम, किरन देवी और शिवशंकर कुमार शामिल रहे। संचालन समीर पॉल ने किया।

प्राथमिक विद्यालय सूई में कंप्यूटर दान समारोह का भव्य आयोजन, विद्यालय को मिले पांच कंप्यूटर

सिरकोनी, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्राथमिक विद्यालय सूई, विकासखंड सिरकोनी में सोमवार को कंप्यूटर दान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी सिरकोनी, अमरेश कुमार सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह के दौरान

कंप्यूटर दानदाता श्री श्रवण कुमार चौबे की ओर से उनके अनुज सत्यवान चौबे ने विद्यालय को 05 कंप्यूटर भेंट किए। कंप्यूटर प्राप्त होने से विद्यालय में डिजिटल शिक्षा को नई गति मिलने की उम्मीद है। इससे छात्र-छात्राओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से सीखने और अपने तकनीकी ज्ञान को विकसित करने का बेहतर अवसर मिलेगा। इस अवसर पर विद्यालय परिवार की ओर से दानदाता परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया गया। विद्यालय में कंप्यूटर उपलब्ध होने से बच्चों की शिक्षा को तकनीकी रूप से और अधिक समृद्ध बनाने में मदद मिलेगी।

स्वाइन फ्लू को लेकर अनावश्यक भय न फैलाएं-सतर्क रहें, घबराएं नहीं: प्रो.डॉ.आर.बी. कमल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रदेश में स्वाइन फ्लू (क्ल्ला'४ील्ल९-अ/ल्ल1ठ1) से संबंधित मामलों की जानकारी के बाद जनसामान्य में बढ़ती चिंता को देखते हुए उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि स्वाइन फ्लू को लेकर अनावश्यक भय अथवा अफवाहों पर ध्यान न दें। सतर्कता, प्रमाणित जानकारी, समय पर चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक सावधानियों के माध्यम से संक्रमण के प्रसार को प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है।

चिकित्सा-महाविद्यालय प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्थिति की निरंतर निगरानी एवं समीक्षा की जा रही है। मरीजों के चिकित्सकीय मूल्यांकन, आवश्यक जांच, उपचार एवं निगरानी के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सक्रिय रखी गई हैं तथा किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए संबंधित चिकित्सा एवं सहायक सेवाओं के बीच समन्वय सुनिश्चित किया जा रहा है।

प्रो. डॉ.आर.बी. कमल, प्रधानाचार्य, उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर ने जनसामान्य को आश्वस्त करते हुए कहा कि स्वाइन फ्लू को लेकर किसी भी प्रकार की अनावश्यक घबराहट की आवश्यकता नहीं है । उन्होंने कहा कि संस्थान स्थिति पर सतत नजर रख रहा है तथा उपलब्ध चिकित्सा संसाधनों, मानव संसाधन और आवश्यक व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य संबंधी किसी भी आकस्मिक स्थिति में संस्थान की सर्वोच्च प्राथमिकता मरीजों को समय पर उचित एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है।

प्रो. डॉ. कमल ने कहा कि बीमारी से संबंधित भय और अपुष्ट सूचनाएं जन-चिंता को बढ़ा सकती हैं। इसलिए आमजन केवल स्वास्थ्य विभाग, सरकारी चिकित्सा संस्थानों एवं अधिकृत चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा जारी प्रमाणित जानकारी पर विश्वास करें। सोशल मीडिया पर प्रसारित किसी भी अपुष्ट संदेश, वीडियो या पोस्ट को बिना सत्यापन के आगे साझा न करें। उन्होंने कहा कि जागरूकता और जिम्मेदार स्वास्थ्य व्यवहार संक्रमण नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रो. डॉ.ए.ए. जाफरी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने बताया कि अस्पताल में स्वाइन फ्लू एवं अन्य श्वसन संबंधी संक्रमणों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा की जा रही है। आने वाले मरीजों का चिकित्सकीय मूल्यांकन किया जा रहा है तथा आवश्यकता के अनुसार जांच, उपचार एवं निगरानी की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने आमजन से अपील की कि फ्लू जैसे लक्षण होने पर समय पर चिकित्सकीय परामर्श लें और बिना चिकित्सकीय सलाह के एंटीबायोटिक, एंटीवायरल अथवा अन्य दवाओं का सेवन न करें।

स्वाइन फ्लू, जिसे सामान्यतः इन्फ्लुएंजा-अ/ल्ल1ठ1 कहा जाता है, एक श्वसन संबंधी वायरल संक्रमण है। इसके सामान्य लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना या बंद होना, सिरदर्द, शरीर में दर्द, कमजोरी एवं थकान शामिल हो सकते हैं। अधिकांश मरीज उचित देखभाल एवं चिकित्सकीय सलाह से ठीक हो जाते हैं, हालांकि कुछ मामलों में संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा पहले से गंभीर बीमारी से ग्रसित या कमजोर प्रतिरक्षा वाले व्यक्तियों में विशेष सावधानी आवश्यक है। सांस लेने में कठिनाई या सांस फूलना, सीने में दर्द, अत्यधिक कमजोरी, लगातार बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति, अत्यधिक सुस्ती, भ्रम अथवा चेतना में बदलाव जैसे गंभीर लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सा सहायता प्राप्त करनी चाहिए।

संक्रमण से बचाव के लिए खांसते या छींकते समय मुंह एवं नाक को रुमाल, टिश्यू अथवा कोहनी से ढकें, साबुन एवं पानी से नियमित रूप से हाथ धोएं और आवश्यकता होने पर हैंड सैनिटाइजर का प्रयोग करें। बुखार, खांसी अथवा अन्य श्वसन संबंधी लक्षण होने पर भीड़भाड़ वाले स्थानों एवं निकट संपर्क से बचें तथा आवश्यकता के अनुसार मास्क का उपयोग करें। व्यक्तिगत वस्तुओं को साझा करने से बचें और बीमारी के दौरान पर्याप्त आराम एवं तरल पदार्थों का सेवन करें।

डॉ. अनुज सिंह, विभागाध्यक्ष, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग ने बताया कि स्वाइन फ्लू के प्रभावी नियंत्रण के लिए चिकित्सा सेवाओं के साथ-साथ समुदाय में वैज्ञानिक एवं प्रमाणित स्वास्थ्य जानकारी पहुंचाना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा व्यापक *जन-जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है।

अभियान के अंतर्गत आमजन को स्वाइन फ्लू के लक्षणों, संक्रमण से बचाव, व्यक्तिगत स्वच्छता, श्वसन शिष्टाचार, मास्क के उचित उपयोग एवं समय पर चिकित्सकीय परामर्श के संबंध में जागरूक किया जा रहा है। प्रमाणित एवं सरल स्वास्थ्य संदेशों को व्यापक स्तर तक पहुंचाने के लिए पोस्टर, बैनर, जन-जागरूकता गतिविधियों तथा डिजिटल एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जा रहा है।

डॉ. अनुज सिंह ने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक जानकारी को जन-जन तक पहुंचाना, अपुष्ट सूचनाओं से उत्पन्न अनावश्यक जन-चिंता को कम करना तथा संक्रमण की रोकथाम में समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने आमजन से अपील की कि सोशल मीडिया पर प्रसारित किसी भी अपुष्ट सूचना को सत्य मानकर आगे साझा न करें और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के लिए अधिकृत स्त्रोतों पर ही भरोसा करें।

चिकित्सा-महाविद्यालय प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग एवं कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा चिकित्सा व्यवस्था, निगरानी एवं जन-जागरूकता के स्तर पर समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य समय पर बीमारी की पहचान, आवश्यक उपचार, संक्रमण की रोकथाम तथा जनसामान्य में व्याप्त अनावश्यक चिंता को कम करना है।

जनसामान्य से पुनः अपील है कि स्वाइन फ्लू या किसी अन्य प्रकार के बुखार से डरें नहीं, सावधान रहें। सही जानकारी अपनाएं, अफवाहों को रोकें, व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखें, लक्षण होने पर समय पर चिकित्सकीय सलाह लें और संक्रमण की रोकथाम में स्वास्थ्य विभाग एवं चिकित्सा संस्थानों का सहयोग करें।

दुद्धी में 132 केवीए पावर स्टेशन की मांग, नगर पंचायत अध्यक्ष ने ऊर्जा मंत्री को सौंपा ज्ञापन

दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुद्धी नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश मोहन ने लखनऊ में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा से मुलाकात कर नगर की बिजली और विकास संबंधी समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने दुद्धी में 132 केवीए पावर स्टेशन स्थापित कराने की मांग प्रमुखता से रखी। ज्ञापन में पंचम राज्य वित्त आयोग से नगर पंचायत को मिलने वाली धनराशि बढ़ाने, नगर पंचायत का विस्तार करने तथा दुद्धी की पुरानी और जर्जर विद्युत लाइनों को हटाकर 132 केवीए पावर स्टेशन अथवा 33 केवीए की नई मिनी टावर लाइन बनाए जाने की मांग की गई।

ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने समस्याओं के परीक्षण के बाद नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। उन्होंने विद्युत व्यवस्था में सुधार के लिए संबंधित अधिकारियों से प्रस्ताव और तकनीकी जानकारी लेने की बात कही। नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश मोहन ने कहा कि दुद्धी क्षेत्र में बिजली की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। पावर स्टेशन और नई विद्युत लाइन की सुविधा मिलने से क्षेत्र की बिजली व्यवस्था मजबूत होगी तथा उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। मुलाकात के दौरान पिपरी नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद, पिपरी नगर पंचायत अध्यक्ष दिग्विजय सिंह, देवेश मोहन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

करियांव में ईद मिलादुन्नबी का उत्सव, निकला भव्य जुलूस

दिनेश विश्वकर्मा

मीरगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ग्राम करियांव में रविवार, 30 अगस्त को ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस की शुरूआत करियांव स्थित बड़ी जामा मस्जिद से हुई। जुलूस मीरगंज बाजार, बस स्टॉप, सब्जी मंडी मीरपुर होते हुए बड़ी मुस्लिम बस्ती पहुंचकर समाप्त हुआ। जुलूस में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। रास्ते भर पैगंबर हजरत मोहम्मद की प्रशंसा में गीत और प्रार्थनाएं गूंजती रहीं। बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। मदीना मस्जिद गांव तथा जरौना स्टेशन क्षेत्र से भी बड़ी संख्या में लोग और बच्चे जुलूस में शामिल हुए।

बच्चों एवं युवाओं ने गुंबदे खजरा और पवित्र स्थलों से जुड़ी आकर्षक आकृतियां बनाकर अपनी श्रद्धा और कला का प्रदर्शन किया। ये आकृतियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। रास्ते में स्थानीय लोगों ने जगह-जगह जुलूस का स्वागत किया तथा पानी और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की।

रविवार रात दारुल उलूम सईदिया मदरसा, मीरगंज में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें धार्मिक विद्वानों और वक्ताओं ने हजरत मोहम्मद के जीवन, उनके संदेश, मानवता, भाईचारे और अच्छे जीवन के महत्व पर प्रकाश डाला। नात गायकों ने धार्मिक गीत प्रस्तुत कर लोगों को भाव-विभोर कर दिया। जुलूस के दौरान मीरगंज थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस बल जगह-जगह तैनात रहा और सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखी गई। कार्यक्रम में मदीना मस्जिद ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष मो. आमिर, राष्ट्रीय सचिव कमालुद्दीन, कय्यूम अंसारी सहित गांव के गणमान्य नागरिक, बुजुर्ग, युवा एवं बड़ी संख्या में बच्चे मौजूद रहे। आयोजकों ने कार्यक्रम को शांतिपूर्ण और सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

पिलखिनी में जर्जर छज्जा गिरने से महिला घायल

गौराबादशाहपुर ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पिलखिनी गांव में सोमवार दोपहर बारिश के दौरान एक मकान का जर्जर छज्जा अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे में छज्जे के नीचे मौजूद महिला मलबे में दबकर घायल हो गई। ग्रामीणों ने मलबा हटाकर महिला को बाहर निकाला और उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। घायल महिला की पहचान किरन (40) पत्नी विनोद कुमार, निवासी पिलखिनी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि मकान का छज्जा काफी समय से जर्जर अवस्था में था। सोमवार को बारिश के दौरान अचानक छज्जा गिर गया, जिसकी चपेट में आने से किरन घायल हो गईं। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। महिला को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया।

हिण्डाल्को के पूर्व वरिष्ठ मजदूर नेता कर्मराज सिंह का अंतिम सफर बना जनसैलाब

रेणुकूट ,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। मजदूर एकता हिण्डाल्को के संरक्षक एवं पूर्व वरिष्ठ मजदूर नेता स्वर्गीय कर्मराज सिंह की अंतिम यात्रा सोमवार को उनके आवास सीनियर 4अ से भावुक माहौल में निकाली गई। अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में मजदूर साथी, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी एवं नगरवासी पहुंचे और नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम यात्रा को विशेष रूप से सजाया गया था। स्वर्गीय कर्मराज सिंह के चित्र को फूल-मालाओं से सुसज्जित वाहन पर स्थापित किया गया। बैंड बाजे पर बज रही गमगीन धुनों के बीच यात्रा उनके आवास से रेणुकूट पुलिस चौकी तक पहुंची, जहां से पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार हेतु वाराणसी के मणिकर्णिका घाट ले जाया गया। श्रद्धांजलि सभा में हिण्डाल्को परिवार की ओर से एचआर क्लस्टर हेड जसवीर सिंह, ईआर हेड अजय सिन्हा, लीगल हेड यशवंत सिंह सहित अनेक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं मजदूर साथियों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर चाचा लाल बहादुर स्मारक सेवा समिति के अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय क्षत्रिय महासेना के जिला अध्यक्ष कृष्ण प्रताप सिंह बबलू ने कहा कि कर्मराज सिंह का निधन मजदूर समाज और पूरे रेणुकूट-पिपरी क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है।

उन्होंने जीवन भर मजदूरों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी और उनका संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। अंतिम यात्रा में सैकड़ों लोगों की उपस्थिति ने स्वर्गीय कर्मराज सिंह के प्रति जनमानस के सम्मान और उनके सामाजिक योगदान को दशार्या। पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल रहा और लोगों ने नम आंखों से अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई दी।

लायंस क्लब जौनपुर गोमती का 37वां अधिष्ठापन समारोह संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब जौनपुर गोमती का 37वां अधिष्ठापन समारोह रविवार की रात शहर के एक प्रतिष्ठित होटल में भव्य एवं गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, गणेश वंदना, ध्वज वंदना एवं राष्ट्रगान से हुआ। मुख्य अतिथि मंडलाध्यक्ष उदय चंदानी ने कहा कि लायंस क्लब का उद्देश्य केवल कार्यक्रम करना नहीं, बल्कि सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक एवं स्थायी परिवर्तन लाना है।

GAT एरिया लीडर डॉ. क्षितिज शर्मा ने नेपाल की प्राकृतिक त्रासदी का उल्लेख करते हुए कहा कि आपदा के बाद लायंस क्लब इंटरनेशनल ने 24 घंटे के भीतर 2 लाख डॉलर की सहायता भेजी थी। उन्होंने कहा कि यह संस्था की मानवता के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है। अधिष्ठापन अधिकारी उमेश चंद्र कक्कड़ एवं दीक्षा अधिकारी श्याम बाबू वर्मा ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं नए सदस्यों को शपथ दिलाई। इस दौरान आजम जैदी, आरिफ अनस, डॉ. सबाह एवं डॉ. एमएम खान ने क्लब की सदस्यता ग्रहण की। नवनिर्वाचित अध्यक्ष लायन सैय्यद हसनैन कमर दीपू ने कहा कि आगामी कार्यकाल में स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं जरूरतमंदों की सहायता से जुड़े सेवा कार्यों को और व्यापक बनाया जाएगा। सचिव लायन नवीन मिश्रा ने भी सभी सदस्यों के सहयोग से जनकल्याणकारी गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया। समारोह में डि. डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रतिमा गुप्ता, सतीश टंडन, ब्रजेन्द्र बाजपेयी, मनीष कुमार अग्रहरि, संजीव साहू, डॉ. तसनीम फात्मा, ऋषिदेव सहित अनेक पदाधिकारी, सदस्य एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

श्री राम शिक्षा सेवा संस्था वसई : शिक्षा, संस्कार और सेवा का संकल्प

वसई (उत्तरशक्ति)। रामायण में वर्णित श्रीराम-सीता विवाह के प्रसंग में लक्ष्मण जी ने सीता जी की परेशानी देखकर जिस प्रकार तत्काल उपाय किया, उसी भावना से प्रेरित होकर सेवाभावी रामभक्त विपिन कुमार अग्रवाल जी ने बच्चों और अभिभावकों की शैक्षणिक परेशानियों को दूर करने के उद्देश्य से श्री राम शिक्षा सेवा संस्था, वसई की स्थापना की। संस्था द्वारा पिछले कई वर्षों से ग्रामीण एवं जरूरतमंद बच्चों को शैक्षणिक सहयोग, मेधावी विद्यार्थियों की वर्षभर की फीस, मार्गदर्शन तथा शिक्षा के साथ अनुशासन, संस्कार और भारतीय संस्कृति की शिक्षा दी जा रही है। वर्तमान में संस्था 200 से अधिक विद्यार्थियों को आर्थिक एवं शैक्षणिक सहयोग प्रदान कर रही है। इस सेवा कार्य की प्रेरणा विपिन

कुमार अग्रवाल जी को पिछले 10-15 वर्षों से परम पूजनीय राष्ट्र संत एवं भागवत मनीषी श्री रघुवीर दास जी के सानिध्य और उनकी भागवत एवं राम कथाओं से मिली। श्री रघुवीर दास जी अपनी कथाओं के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, नशामुक्ति, राष्ट्रप्रेम, मानवता, नैतिकता, अनुशासन, पारिवारिक कर्तव्य, सनातन संस्कृति और सेवा भाव का संदेश देते हैं।

अगस्त 1988 से इस्कॉन से जुड़कर श्री रघुवीर दास जी ने भक्ति और समाजसेवा को जीवन का उद्देश्य बनाया। आज वे राष्ट्रभर में भागवत एवं राम कथा के माध्यम से जनमानस में सकारात्मक सोच, भक्ति, सद्भावना और मानवता का संदेश पहुँचा रहे हैं। इसी सेवा, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना के संदेश के साथ 26 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक स्वामीनारायण मंदिर हॉल, वसई पश्चिम में राम कथा का आयोजन किया जा रहा है। रामभक्तों से सह परिवार इस पावन कथा में उपस्थित होकर पूज्य श्री रघुवीर दास जी का आशीर्वाद एवं रामकथा का लाभ लेने का आग्रह किया गया है।

सामाजिक भेदभाव और राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर के विरोध में कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

बलरामपुर। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला कांग्रेस कमेटी बलरामपुर के तत्वावधान में सोमवार को अम्बेडकर चौराहा पर धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवलाल कोरी ने किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं ने हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद भाजपा एवं आरएसएस कार्यकताओं पर लगाए गए कथित जातिवादी शुद्धिकरण अनुष्ठान के आरोपों तथा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर का विरोध किया।

धरने को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष शिवलाल कोरी ने कहा कि जाति के आधार पर किसी भी व्यक्ति के साथ भेदभाव संविधान की मूल भावना के विपरीत है। उन्होंने संबंधित मामलों में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग करते हुए राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर को लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक न्याय से जुड़ा गंभीर विषय बताया।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख एवं एआईसीसी सदस्य राज बहादुर यादव ने कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता और सम्मान का अधिकार देता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जातिवादी मानसिकता के खिलाफ लगातार आवाज उठाती रही है और सामाजिक न्याय एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए पार्टी कार्यकर्ता संघर्ष जारी रखेंगे।

पूर्व जिला अध्यक्ष अनुज सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में असहमति की आवाज को दबाने के बजाय जनहित के मुद्दों पर जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने कथित शुद्धिकरण अनुष्ठान की निंदा करते हुए सामाजिक सौहार्द और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए ऐसी मानसिकता का विरोध करने की बात कही।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि संविधान, सामाजिक समानता और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के मुद्दे पर पार्टी आगे भी मजबूती से अपनी आवाज उठाती रहेगी।

धरना-प्रदर्शन में डॉ. पंकज गुप्ता, अवधेश पाल सिंह, डॉ. खलीउल्लाह, सियाराम प्रधान, अफरोज खान, इबरार अहमद, संतोष पाण्डे, अमेरिका कुरील, मो. जमील, धर्मेंद्र मिश्रा, विजय उपाध्याय, सुशील शुक्ला एवं गुजराती सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चाहें तो मैं इसका और ज्यादा दमदार अखबारी शीर्षक, उपशीर्षक और 2-3 कॉलम की छोटी खबर भी तैयार कर सकता हूँ।

इंदौर में 29 लाख की कोकीन के साथ नाइजीरियाई महिला गिरफ्तार

-प्रणित तिवारी चीफ ब्यूरो

इंदौर (उत्तरशक्ति)। नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए इंदौर पुलिस ने एक नाइजीरियाई महिला को 57.18 ग्राम कोकीन के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, बरामद कोकीन की अनुमानित कीमत करीब 29 लाख रुपये है। मामला चंदन नगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार, 29 अगस्त को रक्षाबंधन और जन्माष्टमी के चलते शहर के कई इलाकों में भीड़ थी। इसी दौरान पुलिस टीम इलाके में गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान सिंहासा स्थित आईटी पार्क के पास एक विदेशी महिला संदिग्ध हालत में अकेली खड़ी दिखाई दी। महिला के हाथ में काले रंग का बैग था और वह काफी देर से सुनसान स्थान पर खड़ी थी। पुलिसकर्मियों ने उससे वहां खड़े होने का कारण पूछा

तो वह घबरा गई और संतोषजनक जवाब नहीं दे सकी। संदेह होने पर पुलिस ने उसके बैग की तलाशी ली। तलाशी के दौरान बैग से 57.18 ग्राम कोकीन बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब उससे पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि वह कोकीन कहां से लाई थी और इसे आगे किसे सप्लाई किया जाना था।

वैतरणा स्टेशन पर छात्रों की सुरक्षा को लेकर डॉ. हेमंत सावरा सख्त

पालघर। वैतरणा रेलवे स्टेशन पर स्कूली बच्चों द्वारा रेलवे ट्रैक के रास्ते आवाजाही किए जाने का दिल दहला देने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने मामले को गंभीरता से लिया। छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने स्वयं वैतरणा रेलवे स्टेशन पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान डॉ. सावरा ने स्कूली विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं। बच्चों को प्रतिदिन स्कूल आने-जाने के दौरान रेलवे ट्रैक के पास से गुजरने की मजबूरी और उससे जुड़े जानलेवा जोखिम की जानकारी मिलने पर उन्होंने चिंता व्यक्त की।

मौके पर डॉ. सावरा ने रेलवे

प्रशासन और पुलिस विभाग के अधिकारियों से भी चर्चा की तथा छात्रों एवं यात्रियों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करने की बात स्पष्ट रूप से कही। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से स्कूली बच्चों के लिए सुरक्षित आवागमन का रास्ता उपलब्ध कराने और आवश्यक सुरक्षा उपाय तत्काल लागू करने के निर्देश दिए।

डॉ. सावरा ने कहा कि पालघर लोकसभा क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक और विशेष रूप से देश के भविष्य इन विद्यार्थियों का जीवन बेहद मूल्यवान है। उनकी सुरक्षा से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस मामले में वे लगातार फॉलो-अप करेंगे और समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखेंगे। वैतरणा स्टेशन की यह स्थिति सामने आने के बाद स्थानीय नागरिकों को उम्मीद है कि रेलवे प्रशासन और संबंधित विभाग जल्द ही सुरक्षित मार्ग और आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराएंगे।

सर्वाइकल कैंसर के प्रति छात्राओं को किया जागरूक, गरीब महिलाओं को निशुल्क वैक्सीन की पहल

रेणुकूट , सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। इनर व्हील क्लब रेणुकूट जिला 312 की ओर से हिंडालको कॉलोनी स्थित बिका इंस्टीट्यूट में सर्वाइकल कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। हिंडालको हॉस्पिटल की वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रेमलता यादव ने छात्राओं एवं युवतियों को सर्वाइकल कैंसर के कारण, लक्षण, बचाव और समय पर जांच के महत्व की जानकारी दी। डॉ. यादव ने कहा कि जागरूकता, नियमित स्वास्थ्य जांच और समय पर चिकित्सकीय सलाह से इस बीमारी के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वस्थ जीवनशैली और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। छात्राओं ने बीमारी से जुड़े सवाल पूछे, जिनका उन्होंने विस्तार से समाधान किया।

कार्यक्रम में इनर व्हील क्लब ने आर्थिक रूप से कमजोर एवं गरीब महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए निशुल्क वैक्सीनेशन कराने की पहल की। जरूरतमंद महिलाओं का चयन कर उन्हें स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया।

इस अवसर पर क्लब की प्रेसिडेंट ममता अग्रवाल, सेक्रेटरी संध्या सिंह, विनीत बंसल, प्रमिला पोद्दार, गुरमीत कौर, पवित्रा सिरोही, सारिका मवांडिया, ममता बंसल एवं प्रतिभा रंजन मौजूद रहीं। बिका इंस्टीट्यूट की कंप्यूटर शिक्षिका आरती कुमारी, ब्यूटीशियन शिवानी वर्मा, दीक्षा वर्मा सहित छात्राओं ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

रिक्शा-टैक्सी चालकों को मराठी भाषा प्रशिक्षण के प्रमाणपत्र वितरित

मुंबई। भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा, मुंबई द्वारा रिक्शा एवं टैक्सी चालकों के लिए आयोजित मराठी भाषा प्रशिक्षण अभियान के अंतर्गत प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रिक्शा-टैक्सी चालक उपस्थित रहे और प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा मुंबई अध्यक्ष एवं आमदार अमित साटम रहे। इस अवसर पर भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा, मुंबई के अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा की प्रमुख उपस्थिति रही। विशिष्ट अतिथियों के रूप में नगर सेवक रोहन राठौर, अनीश मकवाना, दीपक कोटेकर एवं नगर सेविका सुधा सिंह उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में उत्तर भारतीय मोर्चा, मुंबई के महामंत्री विनय दुबे, अजीत सिंह, उपाध्यक्ष एड. मनोज जायसवाल, सचिव प्रभाकर चतुर्वेदी, राहुल यादव, सुरेंद्र सिंह,

आशीष मिश्रा एवं सचिन प्रजापति सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि महाराष्ट्र में रहने वाले सभी नागरिकों के लिए मराठी भाषा का ज्ञान संवाद और सामाजिक समन्वय को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रिक्शा एवं टैक्सी चालक प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिकों और यात्रियों के संपर्क में रहते हैं, इसलिए उनके लिए मराठी भाषा का प्रशिक्षण विशेष रूप से उपयोगी है।

कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त चालकों को प्रमाणपत्र वितरित कर उनके प्रयासों की सराहना की गई। आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आगे भी जारी रखते हुए अधिक से अधिक रिक्शा-टैक्सी चालकों को इससे जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

संकट मोचन महाबली हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ एवं भंडारा संपन्न

मुंबई। घाटकोपर पश्चिम के अमृतनगर स्थित संकट मोचन महाबली हनुमान मंदिर एवं शनि मंदिर में शनिवार को संगीतमय हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन गायक देवीदीन पांडेय की टीम द्वारा प्रस्तुत किया गया इस धार्मिक आयोजन से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में शामिल होकर हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नीरज उपाध्याय, विवेक सिंह माधव, कृष्णा यादव, महेश यादव, कन्हैया यादव, पंडित मृत्युंजय तिवारी, मुकेश मिश्रा, संतोष भंडारी, उमेश, चंदू गुप्ता, दिलीप गुप्ता सहित आयोजकों और कार्यकताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर नगरसेवक सुनील सयाजी मोरे, कांग्रेस नेता राम गोविंद यादव, जयसिंहपुर ब्लॉक प्रमुख राहुल चंद्रशेखर शुक्ल, विमलेश मिश्रा, संदीप त्रिपाठी, अजय पांडेय, पत्रकार आदेश मिश्र, आर.टी. उपाध्याय, नीलम पांडेय, जयेंद्र जाधव, सचिन शुक्ल एवं श्यामनारायण शर्मा सहित कई गणमान्य लोगों का शाल एवं श्रीफल भेंट कर स्वागत-सत्कार किया गया। कार्यक्रम के समापन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक महाप्रसाद ग्रहण किया। मंदिर परिसर में देर तक भक्तों की भीड़ बनी रही और पूरा वातावरण जय श्री राम एवं ह्यजय बजरंगबली के जयघोष से गूंजता रहा।

गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत हस्ताक्षर अभियान आयोजित

मुंबई। गौ सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत गौवध पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग को लेकर रविवार, 30 अगस्त 2026 को आनंदगढ़ स्थित श्री सिद्धेश्वर शंकर मंदिर परिसर में हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। अभियान में बड़ी संख्या में हिंदू माताओं, बहनों एवं बंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने हस्ताक्षर किए और अभियान को अपना समर्थन दिया। आयोजकों के अनुसार, संगोष्ठी के माध्यम से गौवध पर पूर्ण प्रतिबंध और गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के उद्देश्य से 51 करोड़ हस्ताक्षर एकत्र करने का संकल्प लिया गया है।

आयोजकों ने सभी सहयोगियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए अधिक से अधिक लोगों से हस्ताक्षर अभियान में सहभागी बनने का आह्वान किया। अभियान को सफल बनाने में देवीदीन पांडेय, सुनील दुबे, दिनेश यादव, श्यामनारायण शर्मा, नीलम पांडेय एवं पूजा पांडेय ने विशेष योगदान दिया।

चेन्नई वेदर रिस्क मार्केट में शामिल हुआ

भारत के प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज, NCDEX लिमिटेड ने आज RAINCHNNAI लॉन्च करने की घोषणा की। चेन्नई रेनफॉल-आधारित, एक्सचेंज-ट्रेडेड वेदर डेरिवेटिव्स फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट - इस साल की शुरूआत में RAINMUMBAI के जरिए शुरू किए गए मॉनसून रिस्क मैनेजमेंट फ्रेमवर्क के दायरे को बढ़ाना है। यह कॉन्ट्रैक्ट मार्केट में शामिल लोगों को नॉर्थ-ईस्ट(लौटता हुआ) मॉनसून से होने वाले फाइनेंशियल रिस्क से बचने में मदद करने के लिए बनाया गया है, चेन्नई में होने वाली सालाना बारिश का लगभग 70% हिस्सा इसी मॉनसून से आता है। RAINMUMBAI से मिले अनुभव के आधार पर - भारत का पहला एक्सचेंज-ट्रेडेड वेदर डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट, जिसे IIT बॉम्बे के सहयोग से विकसित किया गया है और जो भारत मौसम विज्ञान विभाग के आधिकारिक डेटा पर आधारित है, 'RAINCHNNAI' प्रतिभागियों को एक पारदर्शी, स्टैंडर्डाइज्ड और कैश-सेटल होने वाले फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट के जरिए बारिश से जुड़े जोखिम को मैनेज करने में मदद करेगा। RAINMUMBAI और RAINCHNNAI मिलकर भारत के मॉनसून चक्र – दक्षिण-पश्चिम मॉनसून (जून-सितंबर) से लेकर उत्तर-पूर्व मॉनसून (सितंबर-दिसंबर) तक – में बारिश से जुड़े जोखिम के प्रबंधन का काम करते हैं। इस मौके पर NCDEX के चीफ बिजनेस ऑफिसर केदार देशपांडे ने कहा, "RAINMUMBAI के साथ, हमने भारत को मॉनसून की अनिश्चितता को मैनेज करने के लिए पहला रेगुलेटेड टूल दिया है, जो जून से सितंबर तक चलने वाले दक्षिण-पश्चिम मॉनसून पर आधारित है। RAINCHNNAI इस फ्रेमवर्क को लौटते हुए उत्तर-पूर्वी मॉनसून (सितंबर-दिसंबर) पर लागू करता है। यह मॉनसून मुख्य रूप से दक्षिण भारत को प्रभावित करता है और चेन्नई में साल भर होने वाली बारिश का लगभग 70% हिस्सा सिर्फ.इन्हीं चार महीनों में लाता है।

गंगा चेतावनी बिंदु से महज 11 सेंटीमीटर दूर काशी में बारिश ने बढ़ाई चिंता

-सुरेश गांधी

वाराणसी। सावन के बाद भी काशी पर मानसून की मेहरबानी थमने का नाम नहीं ले रही। सोमवार को दिनभर रुक-रुककर हुई बारिश के बीच गंगा की चाल भी तेज होती गई। रात आठ बजे केंद्रीय जल आयोग के राजघाट गेज पर गंगा का जलस्तर 70.15 मीटर दर्ज किया गया। नदी अब अपने चेतावनी बिंदु 70.262 मीटर से महज 11 सेंटीमीटर नीचे रह गई है। जलस्तर में दो सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ाव जारी है। बीते 12 घंटे में गंगा करीब 25 सेंटीमीटर चढ़ चुकी है। गंगा का यह बढ़ाव ऐसे समय चिंता बढ़ा रहा है, जब काशी के घाटों और वरुणा के तटवर्ती निचले इलाकों में पहले से ही पानी का दबाव बना हुआ है। गंगा के बढ़ते जलस्तर से वरुणा में पलट प्रवाह की स्थिति ने भी कई निचले इलाकों की मुश्किलें बढ़ाई हैं। दिन में कई घाटों और

आसपास के क्षेत्रों में पानी का असर देखने को मिला।

36.2 मिमी बारिश ने बढ़ाया दबाव

सोमवार रात आठ बजे तक वाराणसी में 36.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। बारिश और नदी के बढ़ते जलस्तर का दोहरा असर काशी के तटवर्ती इलाकों पर दिखाई दे रहा है। प्रशासन की नजर निचले इलाकों पर बनी हुई है। दिन में सामने आई स्थिति के अनुसार राहत एवं बचाव व्यवस्था को भी सक्रिय रखा गया है और प्रभावित परिवारों के लिए राहत शिविरों में व्यवस्था की गई है। केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के मुताबिक राजघाट पर गंगा का चेतावनी स्तर 70.262 मीटर, जबकि खतरे का निशान 71.262 मीटर है। गंगा का उच्चतम बाढ़ स्तर (H.F.L.) 73.901 मीटर दर्ज है। रात आठ बजे जलस्तर 70.15 मीटर पहुंचने के बाद अब सबसे बड़ी निगाह चेतावनी बिंदु पर है। दिन में गंगा के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। सुबह से ही घाटों और निचले इलाकों में पानी का असर बढ़ता गया और कई स्थानों पर आवागमन प्रभावित हुआ।

घाटों पर बदला नजारा, निचले इलाकों में बढ़ी बेचैनी

गंगा का पानी बढ़ने के साथ काशी के पारंपरिक घाटों का स्वरूप भी बदलने लगा है। कई घाटों पर सीढ़ियां पानी में समा गई हैं। तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की निगाह अब नदी के हर घंटे बदलते जलस्तर पर टिकी है। प्रशासन ने भी संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है। वरुणा के किनारे सरैया, सलारपुर और नक्खीघाट जैसे इलाकों में गंगा के पलट प्रवाह का असर सामने आया है। पहले से प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने और राहत सामग्री उपलब्ध कराने का काम जारी है। रात 8 बजे की तस्वीर साफ है– गंगा अभी खतरे के निशान से 1.112 मीटर नीचे है, लेकिन चेतावनी बिंदु से दूरी केवल 11 सेंटीमीटर बची है। दो सेंटीमीटर प्रतिघंटे की मौजूदा रफ्तार बनी रही तो आने वाले घंटे काशी के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे।

बोट और गूगल जेमिनी की बड़ी साझेदारी

मुंबई। गूगल क्लाउड और भारत के प्रमुख ऑडियो और वेअरेबल्स ब्रांड बोट की पेरेंट कंपनी इमेजिन मार्केटिंग, अपनी अगली पीढ़ी की 'Crest AI' स्मार्ट ऑडियो डिवाइसेस की रेंज में गूगल जेमिनी से लैस AI-फर्स्ट फीचर्स लाने के लिए एक साथ आ रहे हैं। Crest AI अगली पीढ़ी के ऑडियो डिवाइसेस के लिए बोट का AI-पावर्ड प्लेटफॉर्म है, जिसे गूगल जेमिनी के साथ मिलकर वॉइस-ड्रिवन, संवादात्मक और व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करने के लिए बनाया गया है। अत्याधुनिक तकनीक को अत्यधिक रेस्पॉन्सिव AI के साथ जोड़कर, Crest AI प्लेटफॉर्म AI नवाचार और दैनंदिन उपयोगिता को एक नए स्तर पर ले जाता है। उपभोक्ताओं के अपने डिवाइसेस के साथ बातचीत करने के तरीके को नया रूप देने के लिए डिजाइन किया गया, जेमिनी लाइव का यह एकीकरण हाइपर-पर्सनलाइज्ड, वॉइस-ड्रिवन अनुभव प्रदान करेगा। उपयोगकर्ता अपने Crest AI-संचालित डिवाइसेस के साथ प्राकृतिक और सहज बातचीत कर सकेंगे, जिससे पारंपरिक हार्डवेयर और एम्बिएंट अककंप्यूटिंग के बीच की दूरी समाप्त होगी। इस साझेदारी का उद्देश्य भारत की विविध भाषाओं और बोलियों में लाखों उपयोगकताओं तक प्रीमियम अकसुविधाओं की पहुँच को सुलभ बनाना है। गूगल क्लाउड के मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और जेमिनी एंटरप्राइज एजेंट प्लेटफॉर्म पर जेमिनी लाइव की मल्टीमॉडल क्षमताओं का उपयोग करके, बोट के Crest अकडिवाइसेस बुद्धिमान साथियों के रूप में कार्य करेंगे, जो वास्तविक समय में क्षेत्रीय बारीकियों, संदर्भ और जटिल प्रश्नों को समझने में सक्षम होंगे। बोट के सह-संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशक समीर मेहता ने कहा, आवाज मनुष्यों के लिए संवाद करने का सबसे स्वाभाविक तरीका है, और हमारा मानना है कि अकके साथ बातचीत करने का भी यह सबसे स्वाभाविक तरीका बनेगा। बोट में, हमारे पास एक अनूठा अवसर है क्योंकि हमारे लाखों डिवाइसेस पहले से ही लोगों के कानों में मौजूद हैं। 'Crest AI' के साथ, हमारा लक्ष्य उपयोगी अकअनुभवों को सीधे इस माध्यम पर लाना है और उन्हें किफायती व दैनिक जीवन का हिस्सा बनने वाले डिवाइसेस के जरिए लाखों उपभोक्ताओं के लिए सुलभ बनाना है।

भारत में फीचर फोन यूजर्स के लिए फोनपे ने UPI पेमेंट लॉन्च किया

मुंबई 31 अगस्त 2026: फोनपे ने आज 'Pho»»fePe UPI 123PÔy' लॉन्च करने की घोषणा की है, जिससे बिना इंटरनेट कनेक्शन के भी पूरे भारत में फीचर फोन (कीपैड वाले बेसिक फोन) यूजर्स के लिए UPI पेमेंट की सुविधा उपलब्ध हो गई है। इसके साथ ही, फोनपे भारत के 200 मिलियन+ कीपैड फोन यूजर्स के लिए UPI पेमेंट की सुविधा देने वाला पहला प्रमुख थर्ड-पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर (TPAP) बन गया है। यह कदम वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और अब तक डिजिटल सुविधाओं से दूर रहे समुदायों को डिजिटल पेमेंट से जोड़ने की दिशा में एक बड़ी पहल है। यह सर्विस नोकिया, एचएमडी, लावा इंटरनेशनल, आईटेल मोबाइल - ट्रांशन होल्डिंग्स डिवाइसेज के साथ प्री-बंडल्ड होगी, तथा आने वाले महीनों में अन्य मोबाइल हैंडसेट्स पर भी उपलब्ध हो जाएगी। इस सर्विस का लॉन्च हमारे प्रोप्रायटरी टेक्नोलॉजी स्टैक पर किया गया है, जिसे खासकर फीचर फोन से वढक पेमेंट करने के लिए विकसित किया गया है।

विश्वसनीयता के लिए डिजाइन किया गया PhonePe UPI 123Pay एक मजबूत SMS-आधारित आर्किटेक्चर का उपयोग करता है, जिससे लिमिटेड 2G कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में भी ट्रांजेक्शन सफलतापूर्वक पूरा हो जाता है। यह प्लेटफॉर्म मोबाइल नंबर या UPI आईडी के माध्यम से आसान 'पीयर-टू-पीयर' ट्रांसफर, और वढक आईडी और दफ कोड स्कैनिंग के माध्यम से 'पीयर-टू-मर्चेंट' पेमेंट की सुविधा देता है। पेमेंट के अलावा, कीपैड फोन यूजर्स अपना बैंक अकाउंट मैनेज कर सकते हैं, अकाउंट बैलेंस चेक कर सकते हैं और पुराने पेमेंट्स भी देख सकते हैं। लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए फोनपे के फाउंडर और सीईओ, समीर निगम जी ने कहा कि- पिछले एक दशक में, UPI ने भारत के पेमेंट करने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है- फोनपे को इस बदलाव का शुरूआत से ही हिस्सा बनने पर गर्व है। आज जब हम अपने अब तक के सफर पर नजर डालते हैं, तो हमारा अगला कदम अपनी सफलताओं को आगे बढ़ाना, अपने दायरे का विस्तार करना और भविष्य की नई संभावनाओं को तलाशना है।

18 वर्ष की आयु में निखिल मिश्रा का भारतीय वायु सेना में चयन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जौनपुर के सपूत निखिल मिश्रा ने महज 18 वर्ष की अल्पआयु में भारतीय वायु सेना (IAF) में चयनित होकर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। जनपद जौनपुर , विकास खण्ड सुजानगंज, ग्रामसभा अमांव के ग्राम पाण्डेय पुर (मधुपुर) निवासी प्रमोद मिश्रा के सुपुत्र एवं अमर नाथ मिश्रा के पौत्र निखिल का चयन भारतीय वायुसेना में हुआ है। निखिल फिलहाल वे बैंगलोर में अपना प्रशिक्षण ले रहे हैं। उनकी इस स्वर्णिम सफलता से परिवार, समाज और पूरे जिले में हर्ष का माहौल है। देश सेवा के संकल्प और कड़ी मेहनत के बल पर वायु सेना में अपनी जगह बनाने वाले युवा निखिल मिश्रा को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद, पूर्व शिक्षक ब्रह्मदेव तिवारी, रामलखन मिश्रा, विजय चंद मिश्रा (रिंकू मिश्रा), फुल चंद मिश्रा, विनय कुमार मिश्रा, मुम्बादेवी मंदिर के सेवानिवृत्त आचार्य पंडित शांतिधर त्रिपाठी, पूर्व प्रधान मनोज प्यारे लाल सिंह, बाबा यादव, विद्या शंकर यादव, प्रिंश मिश्रा, आशु मिश्रा, आदित्य मिश्रा, संतोष सिंह गोलू , अग्नि मित्र त्रिपाठी (गुंजन) सहित सभी लोगों ने हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की अनंत शुभकामनाएं दी हैं।

MASH ट्रायल में जायडस को मिली सफलता

मुंबई। इनोवेशन-आधारित वैश्विक लाइफसाइंसेज कंपनी जायडस ने MASH (Metabolic Dysfunction-Associated Steatohepatitis) और फाइब्रोसिस से पीड़ित मरीजों में Saroglitazar Magnesium के मूल्यांकन वाले वैश्विक EVIDENCES-X™ फेज II(b) क्लिनिकल ट्रायल के सकारात्मक टॉपलाइन परिणामों की घोषणा की है। कंपनी के अनुसार, ट्रायल ने 52वें सप्ताह में फाइब्रोसिस में बिना किसी बिगड़ाव के स्टीटोहेपेटाइटिस के समाधान के अपने प्राइमरी एंडपॉइंट को सफलतापूर्वक हासिल किया। अध्ययन में उपचार का अंतर 26.5% रहा। लिवर बायोप्सी पर आधारित इस प्रोस्पेक्टिव, मल्टीसेंटर, रैंडमाइज्ड, डबल-ब्लाइंड और प्लेसीबो-कंट्रोल्ड अध्ययन में कुल 189 मरीजों को शामिल किया गया। मरीजों को 52 सप्ताह की उपचार अवधि के लिए 1:1:1 अनुपात में Saroglitazar 2 mg, Saroglitazar 4 mg या प्लेसीबो दिया गया। प्राइमरी एंडपॉइंट के अलावा अध्ययन में प्रमुख सेकेंडरी और एक्सप्लोरेटरी एंडपॉइंट्स पर भी सकारात्मक परिणाम सामने आए। इनमें लिवर हिस्टोलॉजी, स्टीटोसिस, सूजन और बैलूनिंग जैसे प्रमुख मानकों में सुधार शामिल हैं। कंपनी ने बताया कि अध्ययन के विस्तृत परिणाम आगामी लिवर कांग्रेस में प्रस्तुत किए जाएंगे। EVIDENCES-X™ ट्रायल का नेतृत्व इंडियाना यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के डिपार्टमेंट ऑफ मेडिसिन के अंतरिम चेयर प्रो. नागा चलासानी, एमडी, और वर्जीनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी के डिवीजन ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के प्रो. अरुण जे. सान्याल, एमडी, ने सह-प्रधान अन्वेषक के रूप में किया। MASH और MASLD (Metabolic Dysfunction-Associated Steatotic Liver Disease) वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण अनमेट मेडिकल जरूरतों में शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुमान के मुताबिक, दुनिया भर में लगभग 25% वयस्क आबादी MASLD से प्रभावित है, जबकि MASH लगभग 5% से 20% वयस्क आबादी को प्रभावित कर सकता है। MASH में लिवर में वसा का जमाव, सूजन और हेपेटोसेल्युलर इंजरी होती है, जो आगे चलकर फाइब्रोसिस, सिरोसिस, लिवर फेल्योर और लिवर कैंसर जैसी गंभीर स्थितियों में बदल सकती है। जायडस लाइफसाइंसेज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. शर्विल पटेल ने कहा कि EVIDENCES-X™ फेज II(b) ट्रायल का सफलतापूर्वक पूरा होना और प्राइमरी एंडपॉइंट हासिल करना MASH डेवलपमेंट प्रोग्राम में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने कहा कि ये परिणाम SaroglitazarMg की चिकित्सीय क्षमता और क्रॉनिक लिवर रोगों से पीड़ित मरीजों के लिए नए उपचार विकल्प विकसित करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को मजबूत करते हैं।

भारत में नौकरी बाजार ने पकड़ी रफ्तार, तीन महीने की गिरावट थमी

पटना। जुलाई 2026 में इनडीड पर भारत में जॉब पोस्टिंग 1.2 प्रतिशत बढ़ीं, जिससे लगातार तीन महीनों से जारी गिरावट थम गई। पिछले साल जुलाई की तुलना में जॉब पोस्टिंग 8.3प्रतिशत अधिक रहीं। महामारी से पहले के स्तर की तुलना में भारत में जॉब पोस्टिंग 84प्रतिशत ज्यादा हैं। इनडीड एपीएसी के सीनियर इकोनॉमिस्ट कैलम पिकरिंग ने कहा कि जुलाई में भारत में नौकरी के अवसरों में थोड़ी बढ़ोतरी हुई और लगातार तीन महीनों से जारी गिरावट रुक गई। यह बढ़ोतरी भले ही धीरे हुई है, लेकिन देश में नौकरी के अवसर अभी भी महामारी से पहले के समय की तुलना में काफी ज्यादा हैं। दूसरे देशों के मुकाबले भारत में नौकरियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हालांकि अलग-अलग क्षेत्रों की तस्वीर अलग है।

स्व.डॉ बाबूलाल की स्मृति में चिकित्सा शिविर का आयोजन

मुंबई। कपिल क्लिनिक, केशव पाडा का कार्यक्रम डॉ सचिन सिंह एवं कपिल बाबूलाल सिंह ने अच्छी तरह से सम्पन्न किया। अपेक्स अस्पताल के डॉक्टरों ने ब्लड शुगर चेकिंग, हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर तथा आँखो को जाँच कर सस्ते क'मित में चश्मा उपलब्ध कराया। इस आयोजन में माजी.नगर सेवक सुनीलगंगावनी, राकेश शेट्टी,डॉ आर आर सिंह, उत्तम गीते, राजेश इंगले,किशोर मुंडाकल,रामदीर यादव (आर डी यादव)विजय सिंह, दया शंकरसिंह मंगला शुक्ला, गुलाब दूबे, अनिल पाण्डेय भगवान किशोर तिवारी, अजय पटेल,अविनाश, पाण्डेय इत्यादि लोग उपस्थित रहे, उनको पुष्प गुच्छ देकर डॉ सचिन सिंह, राकेश मिश्रा, मनोज सिंह, अविनाश पाठक, मोहित सिंह, नितेश सिंह, डॉ आर एम पाल, दया पाल, धर्मदेव यादव इत्यादि लोगों ने स्वागत किया। केशव पाडा तथा आसपास के करीब 150 लोगों ने लाभ लिया इसमें राजकुमार यादव, दीना यादव रामभुवन यादव, मनोज संसारे, संतोष गावकर, संतोष सोनवने,आदित्य गीते इत्यादि लोग शामिल रहे। डॉ सचिन सिंह इस आयोजन को सफल बनाने में अपने सहयोगियों को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया।

आईआईटी हैदराबाद में बैंक ऑफ इंडिया की साइबरशील्ड हैकाथॉन 2026 का समापन

हैदराबाद। बैंक ऑफ इंडिया ने 27 और 28 अगस्त, 2026 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद (आईआईटी-एच) में साइबरशील्ड हैकाथॉन 2026 के ग्रैंड फिनाले का सफलतापूर्वक समापन किया। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता हैकाथॉन 2026 का आयोजन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद के सहयोग से किया गया। यह वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफएस), वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) की पहल है। इस पहल का उद्देश्य बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं में दुनिया की वास्तविक चुनौतियों के लिए प्रौद्योगिकी आधारित समाधान विकसित करने हेतु सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, शैक्षणिक संस्थानों और युवा नवोन्मेषकों के बीच सहयोग को मजबूत करना है। बैंक ऑफ इंडिया और आईआईटी-एच ने 2026 संस्करण के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत आईआईटी-एच ने हैकाथॉन के विभिन्न चरणों के संचालन के लिए संस्थागत, तकनीकी, रसद (लॉजिस्टिकल) और कार्यक्रम संबंधी सहायता प्रदान की।

हैकाथान को उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली जिसमें टीमों और व्यक्तियों से 2936 पंजीकरण प्राप्त हुए। आईआईटी-एच की मूल्यांकन समिति द्वारा छानबीन और आकलन के बाद, प्रोटोटाइप प्रस्तुति चरण के लिए 72 पंजीकरण (प्रत्येक समस्या विवरण के लिए 36) चुने गए। इनमें 68 टीमें और चार व्यक्तिगत प्रतिभागी शामिल थे जो सामूहिक रूप से 232 प्रतिभागियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। 27 अगस्त को ग्रैंड फिनाले के पहले दिन चयनित प्रतिभागियों ने बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों, आईआईटी-एच के संकाय सदस्यों से युक्त मूल्यांकन पैनलों के समक्ष अपने प्रोटोटाइप प्रस्तुत किए। निर्धारण के आधार पर, प्रत्येक समस्या-विवरण के अंतर्गत 9 सहित कुल 18 फाइनलिस्टों ने 28 अगस्त, 2026 को आयोजित अंतिम चरण में स्थान बनाया। प्रविष्टियों का मूल्यांकन नवोन्मेषी, तकनीकी सुदृढ़ता, व्याख्येयता, मापनीयता, उपयोगकर्ता अनुभव तथा प्रोटोटाइप मूल्यांकन जैसे मानकों पर किया गया। अंततः प्रत्येक समस्या विवरण के अंतर्गत शीर्ष तीन समाधानों सहित कुल छह विजेता प्रविष्टियों का चयन किया गया। वित्तीय संव्यवहार, धोखाधड़ी निगरानी प्रणाली के अलर्ट, संव्यवहार निगरानी सिस्टम के अलर्ट तथा सरकारी साइबर धोखाधड़ी अलर्ट/टिकटों का विश्लेषण कर संदिग्ध संव्यवहार एवं म्यूल खातों की पहचान करने हेतु एआई/एमएल आधारित समाधान विकसित करना। यह समाधान म्यूल खातों के माध्यम से धोखाधड़ी आगम के प्रवाह को रोकने में भी सहायक हो। प्रतियोगिता के लिए कुल 20.00 लाख की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। प्रत्येक समस्या-विवरण के अंतर्गत प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार विजेताओं को क्रमशः 5.00 लाख, 3.00 लाख तथा 2.00 लाख की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया जाएगा। समापन समारोह की गरिमा बढ़ाने वाले विशिष्ट अतिथियों में रजनीश कर्नाटक, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया; डॉ. दीपक कुमार, निदेशक, आईडीआरबीटी; प्रो. बी. एस. मूर्ति, निदेशक, आईआईटी हैदराबाद, वेंकट राव, रजिस्ट्रार, आईआईटी हैदराबाद, प्रो. शोभन बाबू, आईआईटी हैदराबाद, पी. हरि किशन, मुख्य महाप्रबंधक एवं मुख्य जोखिम अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया, सत्येंद्र सिंह, मुख्य महाप्रबंधक एवं मुख्य सूचना अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया; तथा बैंक ऑफ इंडिया, आईआईटी हैदराबाद, सी-डैक और आईडीआरबीटी के अन्य वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल थे।

टियर-2 और टियर-3 शहरों में ग्रीन फाइनेंसिंग को गति दे रही हैं एनबीएफसी

मुंबई। भारत की जलवायु परिवर्तन से जुड़ी चर्चाओं में अक्सर बड़े सोलर पार्कों और ग्रीन बॉन्ड्स का दबदबा रहता है। हालांकि, देश के टियर-2 और टियर-3 शहरों में जमीनी स्तर पर एक बड़ा बदलाव आकार ले रहा है। ग्रीन फाइनेंस क्षेत्र की अग्रणी एनबीएफसी इकोफाई की मार्केटिंग प्रमुख श्रबोनी फर्नांडीज के अनुसार, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां भारत के छोटे शहरों में टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल समाधानों को सुलभ बनाकर देश के क्लाइमेट फाइनेंस गैप को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कोयंबटूर, इंदौर, जयपुर, नागपुर और सूरत जैसे उभरते शहरों में अब घर मालिक, किसान और छोटे कारोबारी ऊर्जा की लागत घटाने के लिए रूफटॉप सोलर, इलेक्ट्रिक वाहन और ऊर्जा-कुशल तकनीकों को तेजी से अपना रहे हैं।

भारत ने 2030 तक अपनी जीडीपी की उत्सर्जन तीव्रता को 45% तक कम करने का लक्ष्य रखा है। विशेषज्ञों के अनुसार, इसके लिए देश को हर साल 170 अरब डॉलर से अधिक की जलवायु निधि की आवश्यकता है। एनबीएफसी अपनी गहरी स्थानीय समझ, त्वरित लोन प्रक्रिया और लचीली शर्तों के कारण उन छोटे लोन आवेदनों को आसानी से मंजूरी देती हैं, जिन्हें अक्सर पारंपरिक बैंक नजरअंदाज कर देते हैं। श्रबोनी फर्नांडीज ने कहा, भारत का ग्रीन ट्रांजिशन केवल महानगरों या बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दम पर पूरा नहीं हो सकता। असली बदलाव छोटे शहरों के मकान मालिकों, स्थानीय व्यापारियों और किसानों के छोटे-छोटे प्रयासों से आएगा। एनबीएफसी अपनी मजबूत क्षेत्रीय पकड़ के दम पर इस सस्टेनेबल फाइनेंस को सीधे उन लोगों तक पहुंचा रही हैं, जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। पर्यावरण और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए फायदेमंदः एनबीएफसी द्वारा दी जा रही ग्रीन लेंडिंग न केवल कार्बन उत्सर्जन को कम कर रही है, बल्कि छोटे व्यवसायों की परिचालन लागत घटाकर उनकी उत्पादकता बढ़ा रही है। इसके अलावा, जैसे-जैसे एनबीएफसी छोटे ग्रीन प्रोजेक्ट्स को फाइनेंस करती हैं, उनके पास मजबूत प्रदर्शन डेटा तैयार होता है। यह डेटा अंतर्राष्ट्रीय जलवायु कोषों और बड़े निवेशकों के लिए इन पोर्टफोलियो में निवेश करने का विश्वास पैदा करता है, जिससे एनबीएफसी वैश्विक पूंजी और स्थानीय उधारकताओं के बीच एक मजबूत पुल का काम कर रही हैं। अनुकूल सरकारी नीतियों और सस्टेनेबल फाइनेंस पर बढ़ते ध्यान के साथ, एनबीएफसी भारत को एक स्वच्छ, किफायती और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पर्यावरण और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए फायदेमंदः एनबीएफसी द्वारा दी जा रही ग्रीन लेंडिंग न केवल कार्बन उत्सर्जन को कम कर रही है, बल्कि छोटे व्यवसायों की परिचालन लागत घटाकर उनकी उत्पादकता बढ़ा रही है।

निहिलेंट ने एआई आधारित भावनाओं को पहचानने और भावनात्मक स्वास्थ्य बेहतर बनाने वाला ऐप nSEPIA लॉन्च किया

मुंबई। ग्लोबल टेक्नोलॉजी और कंसल्टिंग सेवाएं देने वाली कंपनी निहिलेंट लिमिटेड ने आज nSEPIA के लॉन्च की घोषणा की। यह एआई तकनीक पर आधारित ऐसा ऐप है, जो लोगों की भावनाओं को पहचानने और भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह ऐप उपभोक्ताओं द्वारा दैनिक उपयोग के लिए बनाया गया है। nSEPIAलोगों को उनकी वर्तमान भावनात्मक स्थिति समझने में मदद करता है। इसके बाद मन की भावनाओं को बेहतर और संतुलित रखने के लिए ऐप व्यक्ति के अनुसार सही उपाय सुझाता है। यह ऐप दुनियाभर में एंड्रॉइड और आईओएस पर डाउनलोड किया जा सकेगा। nSEPIA का इस्तेमाल करना बहुत आसान है–अपनी भावना को समझें, उसके अनुसार कदम उठाएं और फिर बदलाव को महसूस करें। इस ऐप में यूजर को ढेर सारे वैयक्तिकृत कंटेंट में से अपनी जरूरत का विकल्प चुनने के लिए नहीं कहा जाता। इसके बजाय, nSEPIA सबसे पहले उस समय व्यक्ति की भावनात्मक स्थिति को समझता है और फिर उसके अनुसार सही सुझाव देता है। इसका अनुभव डिवाइस के कैमरे के जरिए एक छोटे और आसान इंटरैक्शन से शुरू होता है। इसमें किसी तरह की परेशानी या असुविधा नहीं होती। इमोशन एआई तकनीक की मदद से nSEPIAचेहरे और आंखों के आसपास होने वाली हल्की गतिविधियों के साथ-साथ सिर और शरीर के ऊपरी हिस्से की गतिविधियों का विश्लेषण करता है। इससे ऐप यूजर की भावनात्मक स्थिति को समझने की कोशिश करता है। यूजर की गोपनीयता बनाए रखने के लिए यह पूरी प्रक्रिया डिवाइस पर ही की जाती है। इसके बाद nSEPIA व्यक्ति की भावनात्मक स्थिति के अनुसार संगीत, श्वास अभ्यास, योग और ध्यान जैसे विकल्पों में से व्यक्तिगत सुझाव देता है।

nSEPIA के लॉन्च के बारे में निहिलेंट लिमिटेड के फाउंडर और एग्जीक्यूटिव चेयरमैन एल.सी. सिंह ने कहा, हमने कई सालों से यह समझने की कोशिश की है कि हमारी भावनाएं हमारे सोचने, फैसले लेने, दूसरों से जुड़ने और जीवन जीने के तरीके को कैसे प्रभावित करती हैं। nSEPIA इस समझ को रोजमर्रा की जिंदगी में लाता है। यह व्यक्ति को उसी समय अपनी भावनाओं को पहचानने का मौका देता है और केवल उन भावनाओं को महसूस करते रहने के बजाय, संतुलन की ओर बढ़ने के लिए सही कदम उठाने में मदद करता है। इस तरह तकनीक इंसान की सोच या भावनाओं को बदलने का काम नहीं करती, बल्कि उसे खुद को बेहतर तरीके से समझने में मदद करती है। तकनीक को इंसान के लिए अधिक उपयोगी और मानवीय बनाना निहिलेंट के बड़े उद्देश्यों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इस पहल के बारे में डॉ. विहंग वाहिया, कंसल्टेंट साइकियाट्रिस्ट और प्रोफेसर एमेरिटस ऑफ साइकियाट्री ने कहा, भावनाएं इंसान के व्यवहार और अच्छे मानसिक स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। लेकिन अब तक भावनाओं के प्रभाव को समझना काफी हद तक इस बात पर निर्भर रहा है कि व्यक्ति खुद अपनी भावनाओं को कितना पहचान, समझ और बता सकता है। इसलिए भावनाओं को अधिक सही और निष्पक्ष तरीके से समझने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। निहिलेंट के इस क्षेत्र के काम से जुड़े होने के नाते, यह देखकर खुशी होती है कि nSEPIA के जरिए इस सोच को आगे बढ़ाया गया है। nSEPIAमें व्यक्ति की भावनात्मक स्थिति को समझना पहला कदम है। इसके बाद उस व्यक्ति को बेहतर भावनात्मक संतुलन की ओर बढ़ने के लिए उचित मदद और मार्गदर्शन दिया जाता है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 600 मिलियन अमेरिकी डॉलर के डूअल ट्रांच आरईजी एस बांड की राशि जुटाई गई

मुंबई। 24 अगस्त, 2026 को, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी दुबई इंटरनेशनल फाइनेंशियल सेंटर (₹डीआईएफसी₹) शाखा के माध्यम से, सफलतापूर्वक 600 मिलियन अमेरिकी डॉलर के डूअल ट्रांच आरईजी एस सीनियर अनसिक्योर्ड नोट्स जारी किए, जिसमें 3-वर्षीय नोट के 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर और 5-वर्ष के नोट के 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर शामिल हैं। (ऑफरिंग)। इन बांडों को एस&पी द्वारा बीबीबी और फिच द्वारा बीबीबी- रेटिंग प्रदान की गई है।

लेन-देन में यूएसटी + 93 बीपीएस परिपक्वता वर्ष 2029 पर यूएस $ 300 मिलियन, यूएसटी + 102 बीपीएस, परिपक्वता वर्ष 2031 पर यूएस $ 300 मिलियन शामिल थे। इन नोटों को गिफ्ट सिटी आईएफएससी में एनएसई क पर सूचीबद्ध किया जाना अपेक्षित है और इन्हें बैंक के सीनियर अनसिक्योर्ड दायित्वों के रूप में संरचित किया गया है। इस निर्गमन को वैश्विक निवेशकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली और इसे लगभग सात गुना अधिक सब्सक्राइब किया गया, जो विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों और निवेशक वर्गों में इसकी मजबूत मांग को दशार्ता है। निवेशकों की जबरदस्त भागीदारी बैंक की वित्तीय ताकत, आघात सहनीय आस्ति गुणवत्ता, बेहतर लाभप्रदता और भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण में अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के विश्वास को प्रदर्शित करता है। 3 वर्षीय ट्रांच को मुख्यतः एशिया (74%) को आबंटित किया गया, जिसके बाद ईएमईए (25%) और ऑफशोर यूएस (1%) का स्थान रहा, निवेशक वर्गों में फंड प्रबंधक (78%) और बैंक (14%) की हस्सेदारी सर्वाधिक रही। 5 वर्षीय ट्रांच में एशिया को 66%, ईएमईए को 33% और ऑफशोर यूएस को 1% आबंटित किया गया, जिसमें फंड मैनेजर (72%), बैंक (14%), और बीमा/एसडब्ल्यूएफ निवेशक (11%) की अधिकांश मांग रही।

भारत की डीप-टेक कंपनी नव वायरलेस की बड़ी उपलब्धि

मुंबई। भारत की डीप-टेक कंपनी नव वायरलेस टेक्नोलोजीसने न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में अपनी क्षेत्रीय साझेदार 9Rayz के साथ मिलकर ऑकलैंड के वेटेमाटा हार्बर में फ्री-स्पेस ऑप्टिकल कम्युनिकेशन लिंक स्थापित किया है। यह उपलब्धि भारत में विकसित ऑप्टिकल वायरलेस कम्युनिकेशन टेक्नोलोजी के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वास्तविक परिस्थितियों में इस्तेमाल का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

इस तैनाती में भारत में विकसित तकनीक, 9Rayz की क्षेत्रीय स्तर पर इसे लागू करने की विशेषज्ञता और ध यूनिवर्सिटी ऑफ ऑकलैंड के शोधकर्ताओं के साथ शोध सहयोग को एक साथ जोडा गया है। इससे नियंत्रित प्रयोगशाला परिस्थितियों से बाहर फ्री-स्पेस ऑप्टिकल कम्युनिकेशन के अध्ययन और उसे आगे विकसित करने के लिए एक वास्तविक वातावरण उपलब्ध हुआ है। FSOC तकनीक के माध्यम से वातावरण में प्रकाश की अत्यधिक दिशात्मक किरणों का इस्तेमाल करते हुए दो स्थानों के बीच बडी क्षमता में डेटा का आदान-प्रदान किया जा सकता है। इसके लिए दोनों स्थानों के बीच फिजिकल फाइबर केबल बिछाने की आवश्यकता नहीं होती। इस उपलब्धि पर नव वायरलेस टेक्नोलोजीस के सह-संस्थापक और सीटीओ हार्दिक सोनी ने कहा, यह तैनाती हमारे लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे यह साबित होता है कि भारत में विकसित टेक्नोलोजी अंतरराष्ट्रीय शोध विशेषज्ञता, क्षेत्रीय साझेदारों और वास्तविक दुनिया की कनेक्टिविटी जरूरतों के साथ मिलकर काम कर सकती है। भारत के पास इंजीनियरिंग और वैज्ञानिक क्षमताओं का मजबूत आधार है और हमारा उद्देश्य इस क्षमता को ऐसी बौद्धिक संपदा, प्रॉडक्ट्स और कम्युनिकेशन तकनीकों में बदलना है, जो वैश्विक स्तर पर उपयोगी साबित हों। यह टेक्नोलोजी ऐसे स्थानों के लिए तेजी से महत्वपूर्ण हो रही है, जहां पारंपरिक फाइबर नेटवर्क बिछाना मुश्किल, महंगा या अधिक समय लेने वाला हो सकता है।